जन सुनवाई का कार्यवाही विवरण

परियोजना प्रस्तावक मैसर्स अम्बुजा सीमेन्ट्स लिमिटेड, मारवाड़ मुण्डवा की प्रस्तावित 3डी2 चूना पत्थर ब्लॉक (निलामी ब्लॉक) परियोजना, लाईम क्षेत्र– 434.08502 हैक्टेयर, अनुमानित चूना पत्थर उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओबी/अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, शीर्ष मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष कुल उत्खनन 4.49 के मिलियन टन प्रतिवर्ष, क्रैशर की स्थापना (2000 टीपीएच) वॉबलर के साथ, गांव–हरिमा और सरासनी, तहसील– नागौर, जिला–नागौर में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, नागौर (राजस्थान) की अध्यक्षता में दिनांक 24.07.2024 को दोपहर 01:00 बजे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरिमा, तहसील–नागौर एवं जिला – नागौर (राजस्थान) में आयोजित जन सुनवाई की कार्यवाही (Minutes) का विवरण:–

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसरण में कार्यालय जिला कलेक्टर, नागौर के पत्र क्रमांक 3841, दिनांक 13.06.2024 एवं क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल, नागौर के पत्र क्रमांक RPCB/RO NGR/PUB-15/1046-50 दिनांक 14.06.2024 के अनुपालना में मैसर्स अम्बुजा सीमेन्ट्स लिमिटेड, मारवाड़ मुण्डवा की प्रस्तावित 3डी2 चूना पत्थर ब्लॉक (निलामी ब्लॉक) परियोजना, लाईम क्षेत्र– 434.08502 हैक्टेयर, अनुमानित चूना पत्थर उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओबी/अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, शीर्ष मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष कुल उत्खनन 4.49 के मिलियन टन प्रतिवर्ष, क्रैशर की स्थापना (2000 टीपीएच) वॉबलर के साथ, गांव–हरिमा और सरासनी, तहसील– नागौर, जिला–नागौर में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, नागौर (राजस्थान) की अध्यक्षता में दिनांक 24.07.2024 को दोपहर 01:00 बजे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरिमा, तहसील–नागौर एवं जिला – नागौर (राजस्थान) में आयोजित की गई। जन सुनवाई में उपस्थित सभी व्यक्तियो का विवरण मय हस्ताक्षर परिशिष्ट संख्या 01 पर संलग्न है। जनसुनवाई की आम सूचना दो स्थानीय समाचार पत्र द टाईम्स ऑफ इंडिया में दिनांक 22 जून, 2024 (शनिवार) एवं दैनिक भास्कर दिनांक 21 जून, 2024 (शुक्रवार) को प्रकाशित की गई थी जिसकी प्रति परिशिष्ट संख्या 02 पर सलंग्न है।

जन सुनवाई के प्रारम्भ मे राजस्थान राज्य प्रदूषण नियत्रंण मण्डल के क्षेत्रीय अधिकारी श्री सचिन कुमार ने सभी आगंतुको का स्वागत किया। तत्पश्चात श्री चम्पालाल जीनगर, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, नागौर की अनुमति से जनसुनवाई प्रारम्भ की गई।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियत्रंण मण्डल, नागौर ने जनसुनवाई के महत्व, प्रावधान, उद्देश्य तथा परियोजना के बारे में जानकारी दी एवं परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी देने हेतु पर्यावरणीय सलाहकार को जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं ग्रामवासियों/व्यक्तियो को प्रस्तावित 3डी2 चूना पत्थर ब्लॉक (निलामी ब्लॉक) परियोजना के बारे में विस्तार से अवगत कराने बाबत् आमंत्रित किया।

परियोजना प्रबंधक की ओर से खनन परियोजना के पर्यावरणीय सलाहकार मैसर्स जे.एम. इन्वाइरोनेट प्राईवेट लिमिटेड के पर्यावरणीय सलाहकार श्री रमेश कुमार नेहरा के माध्यम से जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अधिकारियो एवं ग्रामवासियो/व्यक्तियो को विस्तृत जानकारी दी। खनन परियोजना के सम्बन्ध में चूना पत्थर ब्लॉक जानकारी एवं नक्शा जानकारी, परियोजना की स्थिति, लोकेशन मेप, खनन पट्टे की गूगल इमेजनरी, परियोजना की प्रमुख विशेषताएं, परियोजना का विवरण, क्षेत्र की पर्यावरण स्थिति का विवरण, परिवहनभार, पर्यावरण संरक्षण उपाय, खनन की समय सीमा समाप्ति पर भूमि का उपयोग, पर्यावरण प्रबंधन के साथ हरित पट्टिका का विकास, पर्यावरण प्रबंधन योजना (वायु, जल, ध्वनि, ठोस अपशिष्ट गुणवत्ता प्रबंधन), व्यवसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रमिक कल्याण हेतु प्रस्तावित कार्य से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित खनन परियोजना से होने वाले प्रदूषण, उसके प्रबंधन तथा मण्डल मानको के अनुरुप रोकथाम करने के प्रस्तावित प्रयासो से अवगत कराया। साथ ही वृक्षारोपण, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.), व्यवसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियत्रंण मण्डल, नागौर एवं श्री चम्पालाल जीनगर, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, नागौर की ओर से जनसुनवाई में उपस्थित लोगो को अपने विचार/आपत्ति, सुझाव प्रकट करने के लिए आंमत्रित किया गया।

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

Scanned with OKEN Scanner

इसी क्रम में उक्त खनन परियोजना से सम्बंधित उपस्थित व्यक्तियों में से कुछ व्यक्तियों ने अपने विचार मौखिक एवं लिखित रूप से व्यक्त किये जो निम्न प्रकार है:—

श्री लिखमाराम भांभू, निवासी हरिमा:— मैं हरिमा उपखंड के समस्त ग्राम वासियों का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं जो अपना समय निकाल कर यहां उपस्थित हुए हैं। हम जिस मांग के लिए या जिस उद्देश्य के लिए, लिखमाराम भांभू नाम है और मैं हरिमा का निवासी हूं, इस ब्लॉक के लिए संबंध में आपने पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन किया है या इसकी सुनवाई, जनसुनवाई चल रही है? उसी में आता हूं। सभी से मेरा निवेदन है कि आप यह लोक लुभावनी घोषणाएं तो बहुत सारी कंपनी करती है, लेकिन जैसी स्थिति मूंडवा, मारवाड़ मूंडवा की हुई है वैसी स्थिति ईनाणा की, मारवाड़ मूंडवा की, या पास के जितने भी गांव हैं उनकी ही स्थिति अपने यहां होने वाली है। अपन यह चाह रहे हैं कि ये जो कह रहे हैं न पहले पर्यावरण के रूप में यह करेंगे, यह करेंगे, यह करेंगे। जो भी लोकलुभावन घोषणाएं कर रहे हैं, इनसे यह चाह रहे हैं पहले हमें यह लिखित में दो कि कितने टाइम से आप यह ब्लॉक स्टार्ट करेंगे, कितने टाइम से फैक्ट्री बनाकर तैयार करेंगे। दूसरा हमारे यहां लोकल जितने भी लोग हैं। लोकल लोगों के लिए क्या क्या सुविधा रहेगी और इनके रोजगार के लिए क्या प्रबंधन करेंगे? हमारे यहां ऐसे ऐसे लोग हैं जिनके जिनके पास पांच—पांच, चार—चार बीघा जमीन है। उनकी जमीन चली जाएगी तो उनके पास तो बेचारों के पास कुछ बचा ही नहीं। यही बचा है और यहां के किसान सबसे बड़ी चीज है। यहां के किसान हैं। इनका रोजी रोटी का और केवल मात्र उपाय ये जमीन है। इसके अलावा इनके पास कुछ भी सोर्स ऑफ इनकम नहीं है। इसलिए मेरा विशेष रूप से निवेदन है। एक। दूसरा आप अलग अलग बात कर रहे हैं। पहली बात यह कह रहे हैं कि हम तालाब बनाएंगे तो मूंडवा में आपने तालाब बनाया है या उसी को रिपेयर किया है। आप अभी कह रहे हैं कि हम तालाब यहां बनाएंगे, या तो गांव वाले को रिपेयर करवाओगे या उस पर पौधारोपण करेंगे या उस पर तैयार करेंगे। एक आपने कहा 103 हेक्टेयर पर हम पौधारोपण करेंगे, पर्यावरण के लिए। 103 हेक्टेयर जमीन पौधारोपण के लिए देंगे तो फिर माइनिंग के लिए आपके पास कितनी जमीन रहेगी? इट्स क्लियर आप हर पोजिशन हमारी क्लियर करें। हम ग्राम गांव वासी सीधे भोले आदमी है, इतनी जानकारी हमें नहीं है। हम आपसे सभी से जो प्रबंधन मंडल है या प्रशासन है, उनसे यह निवेदन करना चाह रहे हैं कि।

इनका यह निवेदन है कि एक बार जो उपस्थिति है, उस पर साइन करवा रहे हैं। वह यह कह रहे हैं कि एक बार हमें पूरा सुना जाए, उसके बाद में सिग्नेचर कर देंगे। यहां जितने भी लोग बिराज रहे हैं, ग्रामीण लोग हैं और हमारे रिलेटिव, जो ईनाणा, मूंडवा, जो उसके बगल जिन—जिन लोगों को जो परेशानी हो रही है, पर्यावरण के पोजीशन में आ रही है वहां। यह पोजीशन है मारवाड़ मूंडवा की और सामने जितने भी लोग अगल बगल में उनकी पोजीशन यह हो रही है दमा के पेशेंट हो गए और रोज परेशानी बढ़ रही है। प्रदूषण कम नहीं हो रहा है आपकी, मतलब अंबुजा सीमेंट कंपनी की वजह से इन लोगों की जमीनें गई, सो गई, इनका स्वास्थ्य ओर गया। उसके लिए आप क्या फ्यूचर में प्लान कर रहे हैं और आपका क्या मेमोरेंडम है, वो भी हमें बताएं। आप इस कंपनी को कितने टाइम पर किस स्टेज पर खड़ा करेंगे और यहां लोकल लोगों को आप यह कह रहे हैं कि यहां जो योग्य होगा, उसको हम ले लेंगे। हमारे पास पीएचडी की डिग्री या मेकेनिकल, इंजीनियरिंग या इतनी की हुई, तो हम खेती क्यों करते? हमारे पास जो योग्यता है, उस हिसाब से हमें अप्लाई करो। हमारे पास योग्यता हम तो 10वीं पास है, आठवीं पास, जो भी पास है, उनके लिए सीधा सीधा सिस्टम रखो। बेसिक जो रोजगार रखा है, उसमें आप परमानेंट जॉब दो। बाकी कंपनी जो भी आई है, मेरा निवेदन यह है कि कम से कम हर घर से एक आदमी को रोजगार देने का कमिटमेंट किया जाए और जिसके पास जितनी जमीन कम है, उसमें से बाध्यता की जाए कि उस जमीन 5 बीघा, 10 बीघा मिनिमम हमारी या मिनिमम रख दी जाए, उस बंदे को 15 बीघा से नीचे वाले को सबसे पहले उसको नौकरी दी जाए। [illegible] उसको बाद में दे दी जाए। लेकिन 15 बीघा जमीन या 10 बीघा जिसके पास जमीन है उसको सबसे पहले नौकरी दी जाए। उसका घर चलाने के लिए, उसके रोजगार के लिए, उसके बच्चों के लिए, उसकी शिक्षा के लिए आप क्या क्या करोगे? वो सब हमें बताया जाए और उसके लिए हम ये चाह रहे हैं, हमें लिखित में आश्वासन मिले। हमारी जो जनता है उसको लिखित में आप ये प्रावधान दो। आप केवल पर्यावरण स्वीकृति के लिए उपस्थित हुए। हमें बुलाकर, बरगलाकर, साइन करवा कर ये कर लोगे इसके लिए हम बाध्य नहीं है। हमारी जनता ये चाह रही है आप पूरी तरह हमें साथ लो। हम आपके साथ हैं विकास और क्षेत्र का विकास हो। केवल लोकलुभावनी घोषणा कर दो। शिक्षा के लिए आप ये कर लेंगे, ये कर देंगे। अभी हम पहले तो हम जानते नहीं थे अभी इस क्षेत्र में कितना कोई रोजगार है क्या? हम तो यही सोचते थे बड़ी कंपनी आएगी, सीमेंट बनाएगी, हमारे यहां के लोगों को रोजगार देगी। लेकिन जैसी स्थिति मूण्डवा में पैदा हुई है, वही स्थिति यहां होगी और [illegible] का शिकार होंगे। मेरा सभी से निवेदन है कि आप इसको ध्यान रखें, उसी हिसाब से हम जमीन देंगे [illegible] जमीन का मुआवजा, हम इसको मां मानते हैं। जमीन हमारी मां है। इसमें हमने जितना अन्न पैदा कि[illegible]। हमारे पुरखों की जो जमीन जा रही है, उसका हमें

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

मुआवजा उसी हिसाब से दिया जाए और केंद्र सरकार का, सुप्रीम कोर्ट का डिसीजन है कि हम चाहते हैं तो ही हमारी जमीन ली जाए। उसके लिए हमें बाध्य या टॉर्चर या किसी तरह का दबाव नहीं बनाया जाए। हमें मन बनाकर जिस तरह से जो लोग 5 वाला, 50 वाला, 25 वाला, बीघे में जमीन देने के लिए तैयारी में आए हैं, वो घोषणा पहले ही कर दी जाए। केवल पर्यावरण स्वीकृति लेकर आप हमें बाध्य करोगे, क्या आप हमें फिर तो आपकी आगे बीच में जमीन देनी पड़ेगी। तो कम से कम ये घोषणा की जाए। हमें बताया जाए ताकि हम इन लोगों की भी फ्यूचर प्लानिंग होगी। बच्चों को कहा पढ़ाना क्या करें, क्या होगा वो भी फ्यूचर प्लान तैयार किया जाए। मेरा सभी से आग्रह है अच्छी तरह से सुनें। हर बात का निचोड़ निकालें। कई हम पहले की तरह मुंडवा वालों की तरह या ईनाना वालों की तरह या खैण वालों की तरह। जो कि वो हमारे पास पडोस में कौन सा तालाब है? अपना गेंद तालाब जो हमारे तेजाजी का मेन वही जगह है, जाते हैं उसकी क्या दुर्दशा कर रखी है वो रोज अखबारों में आता है, छप जाता है। कुछ भी नहीं होता। कोई कार्रवाई नहीं होती। उससे बड़ा कोई तालाब नहीं था, उससे बड़ा तालाब था, कोई पश्चिम तालाब नहीं है। फिर भी यही स्थिति हो रही है। मेरा सभी से आग्रह है प्लीज! कुछ भी देने से पहले अपने को विचार विमर्श करना है। सभी साथ बैठकर विचार विमर्श करेंगे। केवल पर्यावरण स्वीकृति के लिए हम पौधे लगा देंगे, यह कर देंगे, पौधे लगाने के लिए हमारे पास संसाधन है और इसी गांव में पद्मश्री है। इसलिए इसमें हमें कोई बाउंडेड नहीं है कि हमने पौधे कितने लगाए, क्या उसके लिए सर्टिफिकेट की आवश्यकता नही है। जो केंद्र सरकार ने दिया है और पौधे के लिए क्या चाहिए, क्या उपयोगिता है क्या पौधे से हमें मिलने वाला है वो सब हमें पुरखों ने बढेरों ने बता रखा है। इसलिए हमारे पौधों में, उसमें हम पूरा ध्यान रखते हैं। आप केवल मात्र इसी उद्देश्य से कि हम कंपनी लगा लेंगे, हम फिर यह शॉर्ट में कर देंगे। गांव वाले आते रहेंगे, जाते रहेंगे। उस बेहकावे में हम नहीं आने वाले। हमें नीट एंड क्लीन। लिखित में चाहिए। हर चीज का स्वावलंबन, हर चीज का हमारे, मतलब इसके के साथ समझौता नहीं करेंगे। हमारी प्रत्येक मांग पर सहानुभूतिपूर्वक पर विचार किया जाए। प्रत्येक आदमी से सुना जाए। हम सब साथ रहकर बातचीत करेंगे। इसी में सबका भला है। सब साथ रहेंगे। कंपनी को बताएंगे। कंपनी एक एक चीज स्वीकार करेगी। इतनी बड़ी कंपनी है। अडानी अम्बुजा ग्रुप है, जो बहुत बड़ा है, अडानी ने अम्बुजा को गोद दे दिया तो यहां भी बहुत सारा स्कोप है।अपने को, फ्यूचर में बहुत कुछ मिलने वाला है, लेकिन केवल मात्र छोटी सी पराकाष्ठा में अपने को नहीं आना है। सभी ग्रामवासी यहां बैठे हैं, उनसे मैं निवेदन करना चाहूंगा, मेरा व्यक्तिगत मामला नहीं है, लेकिन मैं इस रूप में आया हूं कि आप किसी भी छोटे मोटे बहकावे में न आकर सभी के जो साथ होगा वो सबके साथ होगा। चाहें न्याय भी सबके साथ, अन्याय भी सबके साथ हो। हम सब साथ मिलकर इनका साथ भी देंगे। हम ये चाहते हैं हमारा विकास भी हो और आप भी अच्छी कमाई करो। कंपनी भी स्टेज पर खड़ी हो और हमें राजस्व भी मिले, सरकार को भी मिले और हमारे भी बाल बच्चों के लिए अच्छा हो सके इसके लिए हम सब यहां उपस्थित हुए, सभी का बहुत बहुत धन्यवाद। आभार। बोलने का मौका दिया उसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री अभयसिंह, निवासी– हरिमा:– ग्राम हरीमा जन सुनवाई के सम्बन्ध में ग्रामवासियों की, मेरा नाम अभयसिंह गांव हरीमा, हरीमा ग्राम का वासी, हरीमा गांव में ग्रामीण सम्बन्धित कुछ मांगे गांववासियों ने कल परसों दो दिन बैठकर विचार–विमर्श किया था, उस संबंध में सभी को मैं बताना चाहता हूं, विशेष तौर पर कम्पनी अधिकारियों एवं प्रशासन को। हरीमा गांव विकास एवं पर्यावरण के लिये कम्पनी गांव को गोद लेकर सम्पूर्ण चंहुमुखी विकास लोंग टाईम प्लान बनाकर देने के निवेदन में। इस सम्बन्ध में विशेष अलग–अलग पाईन्ट है उसके बारें में मैं विस्तार से बात करना चाहता हूं। कोई कमी हो, कोई समस्या हो तो कोई कमी रह जाती है तो गांववासी मुझे बताये।

पेड–पौधे सम्बन्ध में:– गांव अंगोर भूमि, श्मसान भूमि, स्कूल मैदान ग्राम के 6 कटानी मार्ग, रास्तों के दोनों तरफ सीमा के चलके पौधे लगाने सम्बन्धित कार्य, ग्राम दादोसा का परिसर, मन्दिर परिसर एवं गांव के सार्वजनिक जगह जो मतलब गवाडी उसमें उद्यान की व्यवस्था।

लाईट व्यवस्था सम्बन्ध में:– गांव के आवादी क्षेत्र के सभी रास्तो पर 20–25 फुट पर सोलर सिस्टम लाईट की व्यवस्था, कटाणी रास्तों, स्कूल, तालाव, स्टेडियम, बस स्टेशन, गौशाला आदि में लाईट सम्बन्धी व्यवस्था, गांव, अंगोर चौक, गांव में गोचर भूमि में, बच्चों के लिये स्टेडियम और ट्रेक में लाईट व्यवस्था, श्मसान भूमि 36 से 40 बीघा हमारे गांव में है, सभी जातियों के अलग–अलग श्मसान निर्धारित की हुई हैं, उसमें टीन शेड लगाकर सभी को अलग–अलग व्यवस्था कराने बावत।

भवन संबंध में:– स्कूल में वर्तमान में 4–5 कमरों की कमी है, यदि कमरे बन जाते है तो स्कूल सैकण्डरी हो सकती है तथा बच्चों के खेलकूद की सामग्री, लडकियों के लिये अलग आधुनिक टॉयलेट, आधुनिक सुविधायुक्त लाईब्रेरी, छोटे–मोटे बच्चों के लिये अलग–अलग खेलकूद की व्यवस्था।

क्षेत्रीय अधिकारी

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

पानी की व्यवस्था :– गांव में नहर का पानी कम से कम 7–8 दिन से आता है, लेकिन मीठे पानी की परोपर व्यवस्था गांव में नहीं हो रही है, उस सम्बन्ध में लाईन के रख–रखाव, बूस्टर प्लान ओर वॉल, जो लगती है उसकी व्यवस्था, ग्राम में अशुद्ध पानी के निकासी की व्यवस्था, गांव में सीवरेज लाईन की व्यवस्था से निकासी कर पानी को एक जगह स्टोर करके शुद्ध किया जा सकता है इस पानी को ड्रीप सिस्टम से गोचर भूमि में जो काफी बड़ी है, सभी पौधों को पानी की व्यवस्था की जा सके। उसके बाद गांव में, सम्पूर्ण गांव में सी. सी. रोड बनाने की व्यवस्था, अन्डर ग्राउण्ड पानी का लेवल गांव में अण्डर ग्राउण्ड पानी खारा है हमारे गांव में इसलिये गांव में इस्तेमाल के लिये ज्यादा से ज्यादा हौद बनाने की व्यवस्था।

मेडीकल व्यवस्था :– कम्पनी आयेगी तो गांव में कुछ विशेष और कुछ चल रही वो बिमारियां ज्यादा होगी, इस सम्बन्ध में ग्रामवासी एक जगह देने के लिये तैयार है, वहां कम्पनी यदि एक हॉल बनाकर देती है तो एक भवन बनाने की व्यवस्था + मेडीकल के लिये यदि स्टॉफ दे सकती है तो स्टॉफ दें, और यदि नही दे सकती है तो गोरमेंट से व्यवस्था करवावें। गांव की गौशाला है, उसमें एक टीनशेड की व्यवस्था, चारा रखने की व्यवस्था, पानी की व्यवस्था, चारा की कमी की व्यवस्था में, यदि कम्पनी सहयोंग करे, तो ग्रामवासी आपका आभार प्रकट करेंगें। सर्वसमाज के लिये सामुदायिक भवन की गांव में कमी है, उसके लिये भी कुछ कम्पनी बनाकर आधुनिक सुविधा सहित सामुदायिक भवन बनाकर देती है तो ग्रामवासी कम्पनी का आभार प्रकट करेंगें। गांव की अंगोर भूमि में बहुत बडा ओपन हौद है उसकी उचित व्यवस्था करने बावत एवं गांव के सौन्दर्य सम्बन्धी भी उचित व्यवस्था के लिये कम्पनी सहयोंग करे तो गांव तहेदिल से कम्पनी का स्वागत करेगा।

उपरोक्त सभी कार्य जो गांव हरीमा में हो रहे है वही सारे कार्य हमारे कृपा की ढाणी में भी होने चाहियें। हरीमा और कृपा की ढाणी एक ही गांव के दो भाग है। उनके विकास बराबर होने का निवेदन करते है। ग्राम के आस–पास की ढाणियों में भी मूलभूत आवश्यकताओं की कमी है उसमें भी सहयोग करने का कम्पनी से अनुरोध करते है। आज की इस जन सुनवाई में उपरोक्त सभी कार्य कम्पनी करने के लिये तैयार है और कम्पनी किसानों के ब्लॉक सम्बन्धी शर्तो को मानने के लिये तैयार है, तो ग्रामवासी कम्पनी को सहयोग करने के लिये तैयार रहेंगें अन्यथा तैयार नही है। ये तो रही पर्यावरण और विकास सम्बन्धी वार्ता के लिए चर्चा, अब तो कुछ बातें प्रशासनिक अधिकारी एवं कम्पनी वाले कहते है, जमीन के बारे में बात करने की जरुरत नहीं। लेकिन आवश्यकता तो जमीन की बात करने की है जो अपने यहां कम्पनी पहले क्यूं नहीं आई अभी आई है क्योंकि परमिशन मिल गई है। तो हम लोगों ने कल भी मिटिंग की थी, परसों भी मिटिंग की थी, मिटिंग में कुछ सोचा है उसके बारें में अपन को एक बार वापस आपसी में विचार करना चाहिए, सुनना चाहिये, समझना चाहिये, उसके बाद कम्पनी के साथ बैठकर अपन लोग बात करेंगे।

अम्बुजा सीमेन्ट लिमिटेड द्वारा 24.07.2024 को की गई, जन सुनवाई में भूमि लेने के सम्बन्ध में और समय के सबंध में:– गांववासियों को, यदि भूमि कम्पनी की लेती है, कम्पनी गांव वालों को शेयर सिस्टम से या अन्य माध्यम से कम्पनी का पार्टनर बनायें। लोगों को योग्यता अनुसार रोजगार, विशेषकर जो ट्रेनिंग नहीं दी है उनको ट्रेनिंग देकर, जो लडके रोजगार चाहते है उनको ट्रेनिंग दे ओर रोजगार दे। जो भूमि यहां से किसान कम्पनी को देंगें है तो उसमें अगर देनी पड जाये तो किसी भी बिचोलिये की आवश्यकता नहीं हैं व किसानों से डायरेक्ट आम गवाड़ में बैठकर रेंटे तय करके ले। निवेदन है कि आज ग्राम हरिमा में अम्बुजा सीमेंट कम्पनी, प्रशासनिक अधिकारियों का हरिमा गांव में तहेदिल से स्वागत है।

देश एवं विकास के लिये भारी मन से ही सही कम्पनी को अपनी मातृभूमि को कुछ शर्तो के साथ देने को तैयार है। कृषि भूमि की रेट, समय किसानों की राय में होनी चाहिये एवं हमारे कम्पनी आई है, जो भी कम्पनी आई, पहले आई है, कई वादे किये, पर लेकिन वादों पर कोई खरा नहीं उतरा है। उचित रेट नहीं होने के कारण भी किसान वापस जमीन, कृषि भूमि नही ले सका, लेने की स्थिति में रेट इतनी कम दी की वह वापस कृषि भूमि लेने की स्थिति में ही नही रहा। आज के समय में, आज वर्तमान की जो कम्पनियां थी, 3–4–5 आ गई है यहां, उसके कारण गांव में आन रेट 08 से 10 लाख हो गई है और जो नेशनल हाइवे की रेट है, 25 से 40 लाख हो गई है। अतः आपसे निवेदन है कि रेट तय करने में खुला मन रखे ताकि किसान उचित रेट से सम्पूर्ण भूमि को एक साथ दे सके। जिससे किसान व कम्पनी का आपसी सहयोग बना रहे। वर्तमान समय में जो भी नई आई है, कम्पनियां आई हैं, किसान एवं आम जनता के टकराव रहा है। हम लोग ऐसा नही चाहते की रेट के कारण किसानों और कम्पनी के टकराव हो। कम्पनी भूमि के रेट के अलावा भी जो भी पेड–पौधा, जो भी खेत खलियान में कुछ बना हुआ पक्का निर्माण और मेड बन्दी का, पूर्ण पेमेन्ट दे। पहले कम्पनीयों ने जो भी भूमि ली है...., पेड पौधा खेजडी सब लिख दिया। जो कम्पनी पहले आई 8 लाख दे दिया सा, 11 लाख दे दिया सा, लेकिन जो भी दूसरी

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

व्यवस्था के बारें में पहले कोई बताई कोनी। जिसकी भूमि कम्पनी में जा रही है उसके मुखिया को शेयर या अन्य माध्यम से कम्पनी का पार्टनर बनायें। जैसे भी माध्यम से बनाये कम्पनी का पार्टनर बनायें। इस सम्बन्ध में विचार एवं निवेदन करना तथा जिसकी भी जमीन जा रही है कम्पनी का शेयर या पार्टनर बनाने के अलावा 1 परिवार को वर्तमान में नौकरी देने की तुरन्त व्यवस्था करनी चाहिये। कम्पनी पार्टनर कब बनायेगी, कब मुनाफा, नुकसान होगा, इसलिये उसको तुरन्त ही एक नौकरी की व्यवस्था करनी चाहिये। कम्पनी जो भी ब्लॉक लेती है, वो हम लोग एक साथ देने के लिये तैयार है लेकिन उस समय तैयार होगें की कम्पनी अच्छी रेट दे, हमारी मागों को माने और हमारी शर्तो को लिखित में ले और हमें भी दे, उसके बाद हम किसान लोग एक साथ देने के लिये तैयार है! हम टकराव नहीं चाहते, विकास चाहते है। गांव की जो भी भूमि आपकी जायेगी उसमें रोयल्टी टेक्स बनता है उस टैक्स में पहला हक होता है गांव का, गांव में रोयल्टी का टेक्स पर पहला विकास गांव में होना चाहिये उसके बाद ज्यादा आवश्यकता हो तो कुछ भी लिया जाये। इसके लिये मेरा कहना है इसमें कोई कमी हो, कोई ज्यादा कह दिया हो, कोई गलत लगी हो तो गांववासी और अपना भाई कुछ कहना चाहता हो तो बोले। धन्यवाद।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः– आपसे निवेदन है जो आपने माइक पर अभी बातें की हैं, ये ज्ञापन आप हमारे को सौंप दें ताकि ये बात आपकी ऊपर, सरकार तक पहुंचाई जा सके।

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– हैलो! आपके द्वारा जो भी प्रार्थना पत्र जो है उस पर साइन करके आप जरूर देवे क्योंकि ये जो भी पूरा डोजियर बनेगा। एक भी बात चाहे वो भूल नहीं हो। उसमें लिखित में प्रस्ताव बनेगा। ताकि कभी भी आप देख सके, हम देख सके, कंपनी देख सके, विभाग देख सके और कोई डिपार्टमेंट देख सके तो ये एप्लीकेशन जो भी आप लाए हो आप जरूर उसकी कॉपी दीजिएगा।

श्री अमयसिंह, निवासी– हरिमाः– हमने दो तरह की एप्लीकेशन बनाई है। एक तो जनसुनवाई संबंधित है और कंपनी और किसानों के लिए जो एग्रीमेंट करवाना है दोनों में दोनों में से। मेरा आपसे प्रशासन से विशेष निवेदन हैं, आप हमारा विशेष ध्यान रखे कंपनी नई आई है, आप हम तो पहले से ही साथ में है और इसको जो भी बातें हम लोगों ने लिखी है। विशेषकर प्राथमिकता से ले। आप लोगों का प्रेशर रहेगा तो कंपनी हमें विशेष रुप से ध्यान देगी।

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– इस जन सुनवाई का जो भी डोजियर बनेगा। जो भी प्रपोजल बनेगा उसमें आप द्वारा जो कही गई बात है, प्रत्येक बात जैसे आपने कही है, अक्षरक्षः दर्ज होगी, इसलिए आपको कहा हैं कि आप वो, वो कागज जरूर देवें, ताकि वो एप्लीकेशन उसमें रहेगी।

श्री अमयसिंह, निवासी– हरिमाः– यहां अंगुठा वगैरा हो रहे, ये किस उद्देश्य से हो रहे हैं?

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– हैलो। आप लोग जनसुनवाई में आए हो। जनसुनवाई में उपस्थिति के साईन हैं, बाकी और कोई कारण नहीं है।

श्री अमयसिंह, निवासी– हरिमाः– ये नहीं होना चाहिए कि गांववालों ने सर्वसम्मति नहीं ली है।

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– ऐसा कुछ नहीं हैं, ऐसा आपका मन का कनफ्यूजन हटा दो। आप आए हो, आपने हमारी बात सुनी है और हमने आपकी बात सुनी है। उपस्थिति के साईन है। आप लोग स्कूल जाते हैं ना! स्कूल जाते हैं, अटेंडेंस होती है, वो अटेंडेंस हैं, बाकी और कुछ भी नहीं।

ग्रामवासीः– आप लोग अंगुठा ना लगवाये, साईन करवा लो, और गांववासी इसका विडियो बना सकते है, विडियो बना ले आप।

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– सूनो, अगर किसी को अंगूठे से ऐतराज है...

अन्य ग्रामवासीः– साब, माने ना साईन करना, ना अंगूठों करनो, मानें पहली मानी बातां माने, जनां मैं अंगूठों न, साईन बाद में करा। अभी की नहीं, अभी जो डोक्यूमेंट है, वे आप वेरिफाई करों। जकिं थांकि कम्पनी की मांगा है, वे आम जनता तक पहुंचाओं, जण मा माना, अभी मा कनुं थे साईन करा, उपस्थिति दर्ज करा ली, बिरे माथे "उपस्थिति दर्ज" नाम इतोक लिखियों, बाकि इंग्लिश में, अटें गांव में कोई ने इंग्लिश आवें। ऐने इंग्लिश आवें काई। अणपढ आदमी है। आप साईन बाद में ही करना, जब पूरें गांव की मांगें माने तभी आप साईन करवाना।

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः– आपको हिन्दी में ट्रांसलेट करके बोल देते है, कि क्या लिखा हुआ है, इसके अन्दर। आप लोगों को अभी पढ़ कर बता देते है, हिन्दी ट्रांसलेट करके बता देते है।

श्री हिम्मतसिंह भाटीः– प्रशासनिक अधिकारी व अम्बुजा फाउन्डेशन आपसे निवेदन है, अगर ये मिटिंग शांति पूर्वक चलाना चाहते है, हमारे साथ वार्तालाप करना चाहते है, तो ये साईन प्रक्रिया बन्द करों अन्यथा आप आपके और हम हमारे घर पे। आपको ईता ही जवाब देना है, ईता ही जबाब देना है, आपको मिटिंग करनी है तो पहले ये साईन प्रकिया बन्द करो। वरना आप आपके और हम हमारे घर पे।

सर आप पहले स्पष्ट किजिऐं व निष्कर्ष कर लिजिए, उसके बाद, नहीं तो हम लोग जा रहें है। सर अगर, सूनो मेरी बात, अगर ये प्रशासन की संबंधित मिटिंग होती तो बाउंसर लोगों के आने की जरूरत नहीं, प्रशासन की पुलिस आती। प्रशासनों के पुलिस अधिकारी होते यहां, ये बाउंसर नहीं होते यहां। बाउंसर को लाने की यहां कोई जरूरत नहीं है।

श्री शैलेन्द्र सिंह, सरासनी :– आप नीचे बिराज जाईये, ठाकुर जी महाराज की, जय!, हनुमान जी महाराज की, जय!, आप शांति से नीचे बिराजिये, हम लोग बात करेंगे अभी, आपकी भावनाऐं जो है, आपकी भावनाऐं हम समझ रहे है, और...।

हैल्लो! एक बार मेरा निवेदन है, कि ऐसे भाग कर जायेंगे तो कोई मतलब नहीं है, इनके सामने हम बात करेंगे, अगर हमारी बात नहीं मानेंगे, उसके बाद में देखेंगे। जाने से कोई मतलब नहीं है। अगर हम अपन यहां से चले गये तो इसका क्या मतलब रहा? ऐसा तो है, नहीं कि कम्पनी आयेगी नहीं। आयेगी! परन्तु अपन अपने मुद्दें सामने कर रहेंगे।

श्री अनयसिंह, निवासी– हरिमाः– हैल्लो! हरिमावासियों से निवेदन है, अपन साईन वहीं करेंगे जो अपन पन्ना देंगे। अपन जो पन्ना देंगे, मांग करेंगे उस पर साईन करेंगे, उस पर आपकों क्या प्रोब्लम, अपन जो मांगे कर रहे हैना, उस पर तो अपन साईन करेंगे ही। अपन जो मांग कर रहे, जो रेट मांग रहे है, अपनी सुविधा मांग रहे है, उस पर साईन करने में अपने कहा प्रोब्लम है, आप इनके पन्नों में मत करो, पर इसमें तो करों। अपनी बातें ही तो है, अपन इनसे टकराव करने नहीं आये है, अपन इनसे अपनी बात मनवानी है अभी। आप प्रशासन से बात करे। अपन ने जो अपनी मांगे रखी है, उस पर साईन करने मे अपन को क्या प्रोब्लम है। उस पर साईन करेंगे अपन। इसमें क्या प्रोब्लम है। अपनने कल भी मीटिंग की थी, परसों भी मीटिंग की थी। आप बैठों! सुनो इसके पास और साईन इन पर तो कर ही सकते अपन। इसमें अपना टकराव कहां है। अपन अपनी मांगे मांग रहे, अपनी सुविधा मांग रहे है, रेटें मांग रहे है। हमें टकराव नहीं करना है। आप सब बैठो! अपन अपनी मांगों पर तो साईन कर ही सकते है।

श्री शैलेन्द्र सिंह, सरासनी :– हैल्लो! एक बार सभी नीचे बैठ जाईये, जो आगे आकर खड़े वो भी नीचे बैठ जाईये। सबको मौका मिलेगा, जो भी भाईयां बीच में खड़े है, एक बार नीचे बैठ जाये, सब को मौका मिलेगा। एक–एक करके आये तो इनको भी समझ आयेगी अपन क्या कहना चाहते है, ऐसे भगदड़ करेंगे तो ना इनको पता चलेगा, ना हमें चलेगा। नीचे बैठकर एक बार सही से, वापस सुने!

मेरा नाम शैलेंद्र सिंह है सरासनी से हूं, मैं अपनी जो भी बात है यहां पर रखना चाहता हूं। सबसे पहले मैं प्रशासनिक अधिकारियों को ध्यान करना चाहता हूं कि आप सब ज्यादा से ज्यादा ग्रामीणों की सुनें। आपको कंपनियों की ओर दबने की आवश्यकता नहीं है। इसके बाद ये जो मीटिंग है आज की, इसमें पर्यावरण स्वीकृति की है। तो पर्यावरण स्वीकृति क्या होती है? मैं आपको समझा देता हूं कि इसके अंदर जैसे पर्यावरण अपना अभी खराब नहीं हुआ है। आज की कंडीशन में पर्यावरण खराब नहीं हुआ है तो आज से पहले भी ये कभी आये क्या मीटिंग के लिए, नहीं आये। लेकिन आ रहे हैं तो इनका कोई न कोई कारण है इनको यहां पर बिजनेस करना है तो ये पर्यावरण स्वीकृति की मीटिंग है। इसके अंदर पेड़ पौधे है तो इनको अपनी जिम्मेदारी के साथ लगाने पड़ेगे। अब सबसे जो मैंने देखा है दोनों गांव में जो सरासनी और अपना हरिमा गांव है। जहां 100 से ज्यादा लड़के बेरोजगार है। 100 प्लस लोग बेरोजगार है, जो बुरी तरह बेरोजगार है। बाकी और आ रहे हैं तो इन लोगों को बोल रहे हैं कि योग्यतानुसार रोजगार दिया जाएगा। तो यहां पर देखा है कि हमने भी लगभग लड़कों को पता ही नहीं है, क्या करना है तो उसके बाद बीए, बीएससी कर ली तो उसमें अब आप अपनी डिग्री लेकर जाओगे। वहां कंपनियों में ऐसा बोला जाएगा कि आप बीए किये है, बीए करने से अपन क्या करेंगे। तो आपकी योग्यता हुई नहीं वहां पर। योग्यता के लिए मैं कंपनियों से, कंपनी अम्बुजा फाउंडेशन से निवेदन करता हूं कि

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राज.)

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] से कम 500 मीटर दूर होना चाहिए, और बाकि जो है किसानों के लिए ध्यान रख देवे आप लोग काम करेंगे। एसडीएम साहब से ये मेरा निवेदन है कि किसान जो बात कर रहे है और सब जो अपनी हित के लिए कर रहे है, कम्पनी बहुत बडी है, इन पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है, इसलिए महरबानी करके कुछ किसानों की तरफ ध्यान दें। धन्यवाद!

श्री लिखमाराम भांमू :– जो लोग खड़े है वो कृपया शांति से विराजें। ये कोई जबरदस्ती या इस तरह का कुछ करना इनका नहीं है। सब साथ मिलकर जैसा करेंगे, जिस तरह करेंगे, जिस तरह का अपन मेमोरेंडम तैयार करेंगे वो स्वीकार करेंगे। जबरदस्ती इनसे कुछ लेना नहीं, जबरदस्ती ये आपसे कुछ भी नहीं करवाएंगे। कृपया शांति से जो भी बात कह रहे हैं, सुनें और शांति बनाए रखें। इसमें माहौल खराब करने से अपने यहां से जो छवि जा रही है वो अच्छी नहीं जा रही है और ये गांव में जिसका नाम ही हरिमा है उसमें अगर ऐसी छवि जाए तो ये अच्छा नहीं है। अपने यहां साथ में बैठे हैं उनके लिए भी अच्छा नहीं है और जो यहां अधिकारी आये हैं उनकी उनके दिमाग मे भी अपनी छवि खराब जा रही है। तो सभी से मेरा निवेदन है शांति प्रिय सुनें। सबको जो लग रहा है वह उचित लगे। सब बैठकर, तालमेल करके और सब साथ बैठकर तय करेंगे। इस तरह का कोई दबाव या किसी तरह का उत्पीडन या किसी तरह का कुछ भी नहीं होगा। अपन सब बैठकर, मिलकर जिस जिसको जो समस्या लग रही है, जिसको जो लग रहा है, वह सरपंच साहब को दे देवे, अपना ज्ञापन स्वीकार करेंगे। इसलिए सभी इस तरह का कुछ भी नहीं रखे। अपने दिमाग में किसी तरह का फितूर नहीं रखें। अपन सब मिलके, साथ मिलके और सब सबका साथ सबका विकास। जो मोदी जी का नारा है, उसके तहत बैठकर विचार करेंगे। व्यवहार कुशल बात करेंगे। सरपंच साहब को आप आराम से सुनो। ये बता रहे हैं जिस तरह अपन 1 मेमोरेंडम देंगे और बाकी ले लेंगे। ठीक है धन्यवाद।

श्री अभयसिंह, निवासी– हरिमाः– आप सब हूं एक निवेदन है जिकि बाता आपा दो बार मिटिंग में बैठ न करी, ऐ जिकी बाता नें पढ़ने सुनाई आपण। ई पाना पर आपा कोई साईन करा और आपणी मांग रखा और भूमि की समुचित मांग रखा और नौकरी की और कम्पनी में पार्टनर की मांग रखा, ई माते साईन कर न हरिमावासी आपा दो–तीन बार सहमत हू परा ने ऐ पाना बनाया। अब आपा ऐ पाना पर हरिमा, जिका ई ब्लॉक में आवा, वे साईन करा तो कांई प्रोब्लम है, करनो चाईजे   कि नी करनो चाईजे। करा जना ही तो ओ आपा हूं आगे जाई, तो आगे पूगी। तो आप लोग इ पाना ने, तीन पाना है मारे कने, एक पन्ना, दो–दो पन्ना अनू चलाई, पढ़–पढ़ ने ईमें साईन करो। मारी बात चौखी नहीं लागे, या कोई नई बात जोड़नी चावें तो वा जोड़ लेवा, इण माई। लेकिन आपणो ज्ञापन आपा ने कंप्लीट राखनों चाईजे। ई बात सू सहमत हो सगला! सहमत हो! हरिमावासी तो सहमत हो मन से मन। सहमत हो तो ओ पानों देवा। काई कोई नाराजगी तो नी है। ठीक है।

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– यह माता बहनों से निवेदन है। अभी हरिमा, सरासनी का नंबर है तो आज माता बहन को अगर कोई बोलना चाहे तो वो भी पधारें आप भी अपनी बात रखें।

श्रीमती चंद्रकांता शर्मा, ग्राम हरिमाः– आदरणीय समस्त ग्रामवासी एवं अतिरिक्त कलेक्टर महोदय साहब हम आपका तहे दिल से स्वागत करते हैं और जो कंपनी आ रही है उसका भी स्वागत करते हैं। लेकिन हमारी महिलाओं की भी कुछ मूलभूत आवश्यकता है। उसको हम चाहते है।

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– आप आपरो नाम बताओ, गांव रो नाम बताओ, पच्चे बात रखो।

श्रीमती चंद्रकांता शर्मा, ग्राम हरिमाः– में चंद्रकांता शर्मा ग्राम वासी हरिमा, सर यहां पर कई कंपनी आती है। कई चली जाती है। पैसे देती है, पैसे खर्च हो जाते हैं, पुरुष कई जॉब करते हैं, कई नहीं करते। लेकिन महिलाओं की बहुत दयनीय स्थिति हो जाती है। वह घर में बच्चे पालती है, घर संभालती है, लेकिन उसके लिए रोजगार के लिए कोई साधन किसी कंपनी में नहीं सोचते हैं। इसलिए हमारी यही निवेदन है कि महिलाओं को भी कुछ ट्रेनिंग देकर कुछ रोजगार उपलब्ध कराएं और महिलाओं को जैसे वह महिलाएं करना चाहती है, खीचया, पापड़ कुछ भी जो काम करना चाहती है, कंप्यूटर। आज महिला कहां तक नहीं पहुंचे, सब जगह महिला चल रही है। महिला को प्राथमिकता देते हैं, उनके हिसाब से उनको रोजगार दिलवाने की कृपा करवाऐं। धन्यवाद!

श्री पम्पूनाथ योगी, हरिमा :– आज हरिमा ग्राम के अंदर। प्रशासन अधिकारी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर साहब, एसडीएम साहब, अंबुजा सीमेंट के हेड यहां पधारे। इनका तहे दिल से स्वागत है, अभिनंदन है। साथ ही साथ हमारे ग्राम हरिमा...

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

क्षेत्रीय अधिकारी

यहां जो भी युवा हैं उनको स्किल सिखाई जाए और जो जिस प्रकार की भी भर्ती हो उसकी उनको ट्रेनिंग दी जाए और उनके बारे में करियर गाइडेंस करवाई जाए। इसके साथ ही यहाँ की जो एक स्कूल है, आठवीं क्लास तक स्कूल है तो यहाँ लडकियां ज्यादा से ज्यादा संख्या में डेह जाती है बस से। कभी उनको बस नहीं मिलती है अपने पैसे लगाकर डेह जाते हैं पढने, तो ये यहां जो स्कूल है, उसको 9 से 12वीं तक करवाने की कृपा करें और स्कूल की जो बिल्डिंग है इस बिल्डिंग के अंदर आप अभी रुके हुए हो तो आपने देखा होगा कि यहां शौचालय की क्या स्थिति थी। तो इस स्थिति पर भी आपको विचार करना जाना चाहिए। जहां मेरे पहले बताया गया कि यहां पर पेड पौधों के मानले में पदमश्री है, पेड़ पौधे हमने लगा रखे। आपके आने से पहले भी हमारे पेड़ पौधे लगे हुए है। उनसे हुए थे तो आपको उनमें और ज्यादा वृद्धि करनी है। और जो भी जितनी भी रोड जा रही है उसके दोनों ओर आपको पूरे, पूरे पर पेड़ पौधे लगे हैं। और सार्वजनिक जितने भी स्थान हैं गांव के। पर्सनली नहीं बोलूंगा। सार्वजनिक, सार्वजनिक जितने भी स्थान हैं, उन पर भी आपको पेड़ पौधे लगाने चाहिए। और। और मैं आपका ध्यान उस गांव की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जो 1947 में देश आजाद हुआ था। यहां सरासनी गांव है। सबसे ज्यादा कंपनियां आ रखी है सरासनी गांव के चारों ओर, लेकिन आज भी वहां से कोई डेह या हरिमा आने के लिए साधन की व्यवस्था नहीं है। एक प्रसेंट मतलब खुद के स्तर पर या पैदल आते हैं लोग। तो मतलब यहां साधन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। आज देश आजाद हुए काफी टाइम हो गया, लेकिन एक भी बस की सुविधा नहीं है। सभी कोई न कोई पैदल आ रहा है। कोई कैसे जा रहा है। अगर किसी की बीमारी हो जाती, गरीब आदमी है तो उसके पास कोई साधन की व्यवस्था नहीं है तो वहां साधन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए और साथ ही ये जो मीटिंग है इसके अंदर ग्राम पंचायत के अंदर मैदान का निर्माण हो। खेल के बच्चे जो खेल खेलते हैं उनके स्टेडियम का निर्माण हो और पंचायत में पेयजल व्यवस्था के लिए आरओ प्लांट लगाएं। सभी घरों में नियमित पूर्ति करवाने हेतु, भू स्तर जल की उचित व्यवस्था करें और तालाबों का सौंदर्यीकरण करवाएं। बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए गांव में चिकित्सालय में चिकित्साकर्मी और चिकित्सा संबंधी उपकरण उपलब्ध कराएं। ग्राम पंचायत की जो भी राजकीय विद्यालय को मॉडल स्कूल बना जाए। उस स्कूल के अंदर पुस्तकालय, लैब और कम्प्यूटर लैब और विद्यालय को डिजीटलीकरण करके मॉडल स्कूल के रूप में बदलें। जब तक यहां के लडके तो आने वाले लडके पढ़ेंगे नहीं, तब तक विकास नहीं होगा। और मेरा कहना कि जब आप विकास की बात करते हैं तो विकास इस प्रकार होगा कि जैसे आपने एक टांका बना दिया वो विकास नहीं आएगा। आपने स्कूल में दो कमरे बना दिए उसको विकास में नहीं लेंगे। यहां पर जो भी लड़के पढ़ते हैं उनको हंड्रेड परसेंट रोजगार मिले और एक घर से एक व्यक्ति को रोजगार नहीं। मैं पूरे गांव का 100 परसेंट रोजगार मिलना चाहिए। क्योंकि इतनी बडी बडी कंपनियां बाहर के लोग आकर यहां काम करेंगे तो इससे अच्छा है कि हमारे गांव के सभी युवाओं को रोजगार दे और यह चीज आपको लिखित में देनी पड़ेगी। और जो भी युवा हैं, उनसे मेरा निवेदन है कि आप जल्दी जो भी स्किल इनकी सीखनी पड़ेगी, अगर नहीं सीखेंगे तो भी अपन को योग्यतानुसार मतलब ऐसा काम दिया जाएगा कि इसको अपना खुद छोड़ देंगे। तो मतलब एक टेक्निकल रूप से काम करना होगा। ऐसे लेबर का काम करने वाले वैसे भी बहुत है और जो कंपनी आएगी इसके अंदर एक सबसे बड़ी समस्या मैंने देखी है कि जनरल का जनरल और ओबीसी की जमीन यह पहले ले लेते तो उसके अंदर एससी और एसटी की जमीन को पीछे लटका देते। उनका मुद्दा उठाने वाला कोई नहीं है तो मेरा निवेदन रहेगा एससी एसटी को भी साथ लेकर चले और इन सभी जो भी कास्ट बना रहेगी कैटेगरी बना रखी है। इनके सारों की एक साथ जमीन खरीदेगा क्योंकि ये मेरे गांव सरासनी की तरह अभी भी एससी और एसटी वालों की जमीन नहीं ले पा रहे हैं, कोई पीपीटी कंपनी द्वारा। तो अंबुजा से यह निवेदन रहेगा कि एससी, एसटी, जनरल, ओबीसी एक साथ एक रेट के साथ भेदभाव ना करते हुए जमीन को खरीदें। धन्यवाद।

श्री भंवरनाथ, गांव हरिमा :– आदरणीय एडीएम साहब, एवं बुर्जुग साथियों, युवाओं, मातृशक्ति! आज ये, पर्यावरण से सम्बन्धित इस गांव में बैठक है, अम्बुजा फाउंडेशन की। तो मेरा यहां से जो पर्यावरण से संबंधित है तो मेरा इनसे निवेदन यह है कि जो ब्लॉक बने हुए हैं वो बिल्कुल गांव के सटे हुए, बने हुए आबादी भूमि के जस्ट पास में एक मीटर की दूरी नहीं है और जब खदान होगी तो यह बस्ती वाले हम कहां जाएंगे। तो मेरा आपसे कंपनी वालों से विशेष रूप से एडीएम साहब से निवेदन है कि कम से कम एक किलो मीटर और इतना यदि नहीं हो सके तो 500 मीटर गांव से खदान नहीं होना चाहिये। 500 मीटर तक खदान होना नहीं चाहिये मेरा आपसे निवेदन है। पर्यावरण की जो ये बात आ रही है तो मेरा निवेदन है कि हमारे गांव के अंदर लगभग 500 – 600 बीघा जमीन जो है, नाडी की अंगोर, गौचर और ओरण है, तो ये कम्पनी से मेरा निवेदन है कि आप इसको न लेवें ये हमारे गांव के लिए पशु व पेड–पौधों के लिये जमीन है। ये मेरा आपसे विशेष निवेदन है। यदि आप उस जमीन के अंदर कम्पनी पेड–पौधे लगाते है, और हमें कुछ सहयोग करते है तो हम उसके चारों ओर पेड–पौधे लगाने में सहयोग देंगे और इसके लिए हम जान त्याग देंगे। लेकिन इस आबादी की जो मैंने बात कही है,

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– पुनः निवेदन है कि एक बार हरिमा और सरासनी के लोग लोग अपनी बात रख लें, हरिमा और सरासनी के लोगों की बात जब पूरी हो जाए। तब आसपास के गांव के लोग आए। वह भी अपनी बात रखें तो किसी को एतराज नहीं होगा। हरिमा और सरासनी के लोग तैयार है इस बात के लिए। पहले किसकी बात सुनी जाए कि पहले जो है वह, महिलाओं में से और कोई व्यक्ति आ जाए। आप कहां से सर आपका नाम क्या है?

श्री पप्पूनाथ योगी, हरिमा :– मेरा नाम पप्पू नाथ योगी है, मेरा मूल गांव हरिमा है, और पूरे मारवाड़ के अंदर योगी नगर के नाम से जानते है, और पेड़ पौधा लगाना, पक्षियों के लिए परिन्डा लगाना, सभी लोग जानते हैं, और कलेक्टर साहब, एसडीएम साहब आपका स्वागत है और फाउंडेशन अंबुजा का भी यहां पर स्वागत है लेकिन अपने पिछले काफी समय से एक कम्पनी, हमारे गांव के आसपास घूम रही है। काम भी चालू कर दिया और पर्यावरण की स्वीकृति ले ली और हमारा नागौर के प्रशासन ने स्वीकृति दी, लेकिन उन्होंने पर्यावरण के लिए एक काम, एक पेड़ तक नहीं लगाया। ऐसा नहीं हो कि अंबुजा सीमेंट वाले भी पर्यावरण के लिए स्वीकृति ले, भारत सरकार से और काम, जो कंपनी कर रही है ना, पीछे उसकी तरह उसको आप फॉलो नहीं करें। और उससे हटकर अगर अंबुजा सीमेंट कार्य करेगी तो हम लोग हमेशा इस कंपनी के साथ रहेंगे। साथ ही साथ जमीन की बात करें तो हमारे पूर्वजों की जमीन है और हम लोग तो जमीन के ऊपर ही आधारित है पूरा गांव। जिसके पास जमीन नहीं है तो भी आसपास जाकर अपने काम कर रहा है, खेती के अंदर। तो सभी हम किसान लोग ही हैं। खेती पर निर्भर करने वाले इंसान हैं तो जमीन के बारे में आपको सोचना पड़ेगा। देखो आज हमारी शुरुआत हो चुकी है। अब यह कंपनी है, हमारे गांव के अंदर घुस चुकी है। पर्यावरण की स्वीकृति, पर्यावरण की स्वीकृति तभी दें भारत सरकार, इनको कम से कम पहले पर्यावरण के बारे में थोड़ी काम चालू करें। कम्पनी चल रही है 17–18 सालों में मैं देखता हूँ, घूमता हूँ। तो ये तो अब आई है, और इनके जो हमारी लीज है वो काफी समय पहले इस कंपनी की हो चुकी है। तो कंपनी को पहले पर्यावरण स्वीकृति देने से, प्रशासनिक अधिकारियों से निवेदन रहेगा मेरा, थोड़ा बहुत इसकी ओर ध्यान आकर्षित करें। पर्यावरण के बारे में काम करें जरूर, ताकि हम जो पर्यावरण बचाने जा रहे हैं। मैं 17–18 साल से पूरे मारवाड़ राजस्थान के अंदर घूम–घूम कर पर्यावरण के लिए मेरी 20 साल की उम्र खराब कर दी और मेरे गांव के अंदर अब ये चारों ओर खड़े हो जाएंगे। पेड़ पौधे नजर नहीं आएंगे तो मेरे को डूब मरना चाहिए। मैं पूरे राजस्थान में लोगों को जगा रहा हूं और ढाई 3 लाख लोग मेरे साथ जुड़े हुए हैं और मेरे गांव में अगर मैं कम्पनी को कह रहा हूं कि आपको काम करना पड़ेगा, हम साथ हैं आपके अगर आप काम करो तो मैं पूरी तरह से साथ हैं। हमारे गांव के लोग साथ है। आसपास के क्षेत्र के लोग हैं तो मेरा विशेष निवेदन प्रशासनिक अधिकारियों और कंपनी के जो हेड है, उनसे भी है कि आप ध्यान में रखते हुए काम करें और जो भी हमारे गांव की मांगे हमारे अभयसिंह जी है। हमने पूरे गांव की सहमति से उनको वो लेटर दिया, वही लेटर है। पूरे गांव ने मिलकर दो तीन दिनों से मीटिंग कर रहे हैं। उस गांव में हमारी जो मुख्य मांगे उसमें लिखी हुई है और आगे भी हम मांगे करते रहेंगे और आप भी हमारी जो जमीन जब खरीदनी हो तो पूरे ही लोगों को 36 कौम के चाहे एससी एसटी के हो सभी लोगों को साथ बिठाकर भाव तय करें, उसी बात करते हैं या नहीं कि किसी को कोई ज्यादा चालू हो तो उसको ₹2 ज्यादा दे दें और किसी एजेंट के मार्फत, यह नहीं होना चाहिए। पूरे गांव के लोग मिलकर भी हरिमा सरासनी भी हमारी ग्राम पंचायत है। एक ही रेट पर होनी चाहिए। रेट बहुत अच्छी होनी चाहिए। 40–50 लाख तो माने इया नही देवे भीघा का साहब, 40–50 लाख कई लोगों की नजर है, पूरे भारत की। कम से कम अच्छी रेट आपकी जो भी हो, तय कर देनी चाहिए और उसके बाद, उसके बाद गांव का भी विकास होना चाहिए, गांव का रहने वाला नहीं है। चारों ओर दो तीन बड़ी कंपनी और आ गई है। ये मेरी बातें हैं। इस पर थोड़ा ध्यान दें और पर्यावरण की स्वीकृति आप जारी करेंगे उससे पहले मेरा निवेदन है। इस कंपनी का काम मैं देखता हूं। 15–16 साल से यही कर रही है, लेकिन जो पीछे कंपनी आस पास हमारे गांव में उसने एक काम भी नही किया और उस कम्पनी को ले जा रहे है हम हाईकोर्ट में, पूरे भिड़ेंगे हम, विरोध प्रदर्शन शुरू कर देंगे। आपका स्वागत कर रहे हैं, लेकिन काम होना चाहिए आपका, काम नहीं हुआ तो हम पूरे रास्ते जानते। पूरे गांव के लोग जानते जागरूक हो चुके हैं, वो पहले वाली बात नहीं रही। आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद। एक बार मेरी ओर से आप लोग पधारे, उनका धन्यवाद। साथ ही साथ ग्रामीण महिला, बच्चे और उनका भी बहुत बहुत स्वागत। धन्यवाद। जय हिंद। जय भारत राम राम।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी :– एक मिनट लेना चाहूंगा आपका। इसी चर्चा के मध्य आपसे निवेदन है कि माताओं बहनों में और जैसे आपने पक्ष रखा है। और भी कोई पक्ष रखना चाहती है कोई माता बहन। तो आगे आए और अपना पक्ष भी रखें। आपकी समस्याएं, आपके सुझाव उतनी तत्परता से लिए जाएंगे और निवेदन है की जो भी अपना पक्ष रखना चाहे।

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

श्री नारायण सिंह, हरिमा:– मैं नारायण सिंह पूर्व ठाकर इस गांव का, मैं छोटी री मांग जिलाधीश महोदय से मांगु हुं कि आज इस पावन धरा हमारे गांव श्रीमान दादोसा मानसिंह जी झूंझार, दादोसा ठकराल सिंह जी देव, श्री गोर्धन नाथ जी जीवित समाधी, गोर्धन नाथ श्री महाराज, श्री सुखानाथ जी चंदेल, इस पावन धरा पर आये बहुत बहुत धन्यवाद। अच्छा! अब आप लोगों से ये मांगें गांव वालों ने मांगी है, आप उसका उचित ध्यान रखते हुये उसको आप पूरा करे। अब मै जिलाधीश महोदय से एक बात कहूं सा, गई साल 2023 के मायने ग्राम सरासनी पंचायत अकाल घोषित हुई, हुई की नहीं हुई? तो वो मुआवजों कटे? जिलाधीश महोदय, आप जिला का मालिक हो, फसल बीमा को कहा, फसल बीमा करवाणों, जेब मुं पईया लागे, आज कटे है, क्लेम–हलेम की नी, आज अखबार में है कि जमीन मुं चांदी निकले, तो मा तो आप थकिने ही हां सा। फसल बीमा का मुआवजा दिलाओं आज कटे आज के आज क्लेम दिलाओं। तो साव धाने आ निवेदन है कि ओ मुआवजो और क्लेम दिलवाने की कृपा करवावें। बहुत बहुत धन्यवाद। जय भारत!

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी :– आप सभी माताओं बहनों से निवेदन है कि कोई ओर भी आप अपना पक्ष रखना चाहती है सुझाव देना चाहती है तो आप आमंत्रित है इस मंच पर। सभी माताओं–बहनों से निवेदन है कि कोई ओर भी अपना पक्ष रखना चाहती है, सुझाव देना चाहती है, तो आप आमंत्रित है। खड़े लोग भी अपना नाम बतायें, अपना गांव बतायें, एवं अपना पक्ष रखें।

सुश्री गुड्डी राठौड, हरिमा :– मैं हरिमा से गुड्डी राठौड मेरी बस एक ही मांग है और गांववालों और सबकी ओर से एक ही विनती है हमारे गांव में सबसे पहले लाईब्रेरी की व्यवस्था करवाई जायें, और सबसे बडी व्यवस्था हमारे गांव को स्कूल की करवाई जाये हमारे गांव की सारी लडकियां बाहर पढने जाती है डेह में, जो किराया देकर जाती है और टाईम पर बसें भी नही मिलती है उसमें। सबसे बडी प्रोब्लम हमारे गांव में स्कूल और लाईब्रेरी की व्यवस्था की जाये क्योंकि हमारे गांव में पढने की कोई भी व्यवस्था नहीं है इस गांव में, आठवीं तक की स्कूल है उसके आगें कोई नी नही पढ सकता नांही कुछ कर सकता है तो एक ही काम हैं कि हमारे स्कूल में लाईब्रेरी की व्यवस्था की जाये।

श्रीमती चन्द्रकान्ता शर्मा, ग्राम हरिमा :– सर हमारा आपसे अनुरोध है कि हमारे यहां पर कोई स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई नी सुविधा नही है। आप से अनुरोध है कि हमारे यहां पर अगर कोई इंजेक्शन भी लगाना हो तो उसे नागौर/डेह जाना पडता है। यहां पर कोई ए.एन.एम भी यहां पर पोस्टेड नहीं है। ये हमारे लिये बहुत दुःख भरी बात है।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी :– पीछे, पीछे जो गणमान्य व्यक्ति खड़े हैं, आपसे भी निवेदन है कि आपका कोई पक्ष सुझाव रखना चाहते हैं तो आप आमंत्रित हैं। पीछे जो लोग, आपसे।

श्री शैलेन्द्र सिंह, सरासनी :– एक बार में आप को वापस, क्षमा चाहता हूं मै आपके बीच आया लेकिन मैनें एक चीज देखी, हमारे दोनों गांव हरिमा और सरासनी की। उसमें मैं कम से कम बोल पाया लेकिन मैं उसमें 20 से 25 पाईन्ट लिखे थें और उस पर इन्होने रिसीविंग तो दे दी लेकिन ये सील लगाके नहीं दे रहे। सील के बिना ये कागज बिल्कुल कोई काम का नही है। तो अगर ये सील लगाके नहीं देंगें तो हम इनका कोई सहयोग नहीं कर पायेंगे, क्योंकि ये कागज लेके मैं कहा–कहा धूमूंगां। इसमें पूरे गावं के विकास की बात है, लोगों के रोजगार की बात है, ये बिना सील साईन के सक्सेस नहीं है। तो इसको, या तो आप बतादे तो मै यही फाड के फैंक देता हूं। इसका कोई मतलब नहीं है मैं पूरे दिन से इसको लिखा है सरपंच साहब के पास जाकर लेटर पेड पर लेके पूरा ऑफिसीयली करके लेकर आया।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी :– आप पहले बात सुनिये, अपना पक्ष रखियें सील मंगवाई जा रही है, आपको लगा कर देंगें सील।

श्री अभयसिंह :– आपसे निवेदन है आप रिकॉर्ड के लिये रखों और सील साईन करके दो।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी :– सील अभी ऑफिस से मंगवाई जा रही है रास्ते में है आपको सील लगाके देंगें।

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– हरिमा और सरासनी के और भी कोई ज्ञापन, और कोई बात अगर हो तो आप जो है 10 मिनट में कहे। क्योंकि ये शायद मुण्डवा के आस–पास के, शैतान जी आये हुये है ये भी अपनी

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

सर रखेंगे, तो मैं सोच रहा हूं कि पहले जो है हरिमा और सरासनी की बात पूरी हो जायें। गांव के लोग ... हरिमा और सरासनी के लोग पधार जाये एक बार आप अपनी बात रखे।

श्री मानवेन्द्र सिंह, हरिमा :– सर नमस्कार, मेरा नाम मानवेंद्र मैं हरीमा से हूं। हमारी हरीमा गांव की मुख्य मांग जो श्री जी पूरा गांव एकजुट होकर अभयसिंह जी के नेतृत्व में जो मांग पत्र दिया गया है उसका समर्थन करते हैं। उनकी शर्तों का अगर कंपनी पालन करें तो हम कंपनी के साथ में हरिमा वाले पूरे के पूरे उस मांग पत्र जो अभयसिंह जी के द्वारा दिया गया है। उसी के साथ में हमारी सारी मुख्य मांगे जो हमने मीटिंग करके एक दो दिन पहले कर ली थी वही मांगे। इसके अलावा कोई एक दो बच भी जाये तो जुडा देंगे। इसके अलावा कोई मुख्य मांग नहीं है। यही मांगे हमारी। इसी को आप अगर पूरा करवा दें चाहे सील लगवा दे सपोर्ट करके हमारा हरिमा पूरा साथ है। अगर यह मांगे मान जाए तो हम हरिमा और पूरी तरीके से साथ में कंपनी के साथ में मिलकर काम करना चाहते हैं। धन्यवाद और। और किसी को हरिमा से कुछ कहना है तो बताइए। और अभय सिंह जी की मांगों का समर्थन करने वाले हरिमा के लोग हाथ ऊपर करके एक बार दिखा दीजिए। हाथ ऊपर कीजिए, हरिमा वाले सारे के सारे जो अभयसिंह जी की बातों का समर्थन करते हैं वो खाली अभय सिंह जी की मांगें नहीं है। पूरे के पूरे गांव की बातें पूरे के पूरे हरिमे की बात है। 36 कॉम की हरिमा पूरे की पूरी बात है। ये सारी हरिमा की सारी मांगे। आप देख लीजिए ये हरिमा की बात है। सारी की सारी। धन्यवाद।

श्री मोहनलाल, हरिमा :– आदरणीय सम्माननीय श्री ए.डी.एम. साहब और अम्बुजा फाउंडेशन से पधारे हुए मेहमानों, आगंतुकों, ग्रामवासियों, भाइयों बहनों और मेरा यह कंपनी वालों से बहुत बड़ा आग्रह है,... नाम मोहनलाल, हरिमा। तो मेरे कंपनी से जो भी आए हुए हैं, उनसे यह आग्रह है कि जो पीछे आप लोगों ने ईनाणा के अंदर उन लोगों के साथ में किया था, किसी की जमीन ₹5 लाख बीघे में ले ली और किसी को 10 दे दिया। जैसे हड़पने का काम नहीं करें, कम्पनी जमीन हड़पने का काम न करें। किसी कमजोर की जमीन है, वो सस्ते में ले और जो नहीं बेचना चाहे उसकी साल भर रुककर तीन साल का एग्रीमेंट कर दिया और उसकी तीन साल बाद में ले लेंगे। ऐसा न करें कम्पनी। ऐसा धोखा न करें, पीछे कर चुकी है। वो यहां पर लोग मौजूद भी है। जिन लोगों के साथ ऐसा किया है तो कंपनी के लोग, हमारे गांव के साथ ऐसा नाजायज ना करें। मेरा यही आग्रह है आपसे।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी :– हरिमा और सरासनी से और भी कोई अपनी बात रखना चाहते है, तो आप मंच पर आमंत्रित है।

श्री मानवेन्द्र सिंह, हरिमा :– एक बात जो छूट गई थी, की स्कूल की तरफ से एक 11 के.वी. की लाईन जा रही है, गांव के अंदर, तो यहां बच्चे खेलते है, बरसात के समय यहां पर करंट आने की संभावना रहती है। तो आपसे निवेदन है कि इस लाईन को कही ओर शिपट करायें, बच्चे यही खेलते है ये हरिमा की बहुत बडी मांग है। स्कूल के सारे स्टॉफ, सारे इसका ध्यान रखते है, पूरे के पूरे दिन, बच्चे इस साइड नहीं जाये। अभी बारिश का मौसम है, करंट कभी भी फैल सकता है, तो आपसे ये रिक्वेस्ट है कि इसको आप कहीं ओर रिफ्ट करके और स्कूल वालों ने इसके लिए खूब प्रार्थना–पत्र दिये है सर। लेकिन अभी भी पिछले दो साल से ये लोग प्रयास कर रहे हैं, इसको हटाये, लेकिन ये अभी तक नहीं हट पा रही है। आपसे मेरी और हमारे गांव वालों की ये इस बात पर जोर रहेगा कि सर जल्दी से जल्दी इसको हटाने की कोशिश करें, सारें बच्चे यहीं खेलते है, हमारे जो नौनिहाल है, वो ही है आगे का भविष्य वोही है। आप उनकी रखवाली करें। आपसे रिक्वेस्ट है इसको आप हटाइये यहां से। धन्यवाद!

श्री सुनील चौधरी, ग्राम हरिमा, लटियालो की ढाणियां कृपा की ढाणी :– माननीय ए.डी.एम. साहब को अम्बुजा फाउंडेशन के अधिकारी साहब एवं हमारे ग्राम के सारे युवा साथी एवं बड़े बुजुर्ग प्रणाम, नमस्कार एवं आप बाहर से पधारे हुए एडीएम साहब और अंबुजा फाउंडेशन के सभी अधिकारियों का तहेदिल से स्वागत है।

श्रीमती मंजू :– जमीन नहीं है लाश बुरने के लिये नाथ समाज के लिये एक शमशान की जमीन की व्यवस्था की जाये। हमारी मांग ये हैं।

श्री सुनील चौधरी, ग्राम हरिमा, लटियालो की ढाणियां कृपा की ढाणी :– नम्र निवेदन है कि हरिमा लटियाल की ढाणी के सरकारी विद्यालय के चारदिवारी नहीं हो रखी है, तो मेरे को अम्बुजा फाउंडेशन से निवेदन करता हूं कि सी.एस.आर. फंड से चारदिवारी का निर्माण व ढाणियों में पानी की समस्या का समाधान करे, और ढाणियों के अन्दर सी.सी. रोड का भी निर्माण करवायें। धन्यवाद।

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी :– सभी गणमान्य व्यक्तियों और माताओं बहनों से निवेदन है कि कोई और [illegible] देना चाहता है तो मंच पर आकर ज्ञापन दे सकता है।

श्री मानवेन्द्र सिंह, हरिमा :– हमारी एक मांग ओर आई है कि जो ग्राम पंचायत सरासनी की सुविधा है, वो सरासनी गांव में है, तो वो सुविधाऐं, वैसी की वैसी सुविधाऐं हरिमा स्थापित की जाऐं, जैसे कि अटल सेवा केंद्र, [illegible] थे, वो स्कीम, ई मित्र वाले, सारी सुविधाएं हमारे सरासनी रहती है, वो यहां से दूर है, और ना ही कोई परिवहन का साधन है, तो कुछ लोग पैदल ही जाते हैं और कोई बाइक की व्यवस्था तो होती नहीं। सब लोगों के पास गाडी–घोडी है नहीं, तो जा नहीं पाते। सारी सुविधाएं, जैसी की जैसी हरिमा में स्थापित की जाए या फिर इस पंचायत का पुनर्गठन किया जाए। जिसमें देखा जाए कि कौन से गांव है जो पंचायत बनने के लायक है। ये हरिमा गांव जो जनसंख्या मे सबसे आगे होने के बाद दोनों पंचायतों में पंचायत में पीछे। एक बार आप पुनः इसका सीमांकन कीजिए। अगर जो सरासनी में जाता है तो सरासनी को रखिये, जो हरिमा को जाने तो हरिमा को दिजिए। लटियालों की ढाणियां ये सारी की सारी हरिमा की, इसका पुनर्सीमांकन करवाने की आप कृपा करें, क्योंकि हाईवे के पास में होने के बावजूद भी यहां कोई सुविधाएं नहीं है। हमें कुछ भी सुविधा के लिए सरासनी जाना पडता है, तो फिर हम तो नागौर चले जाएं। आप तो नागौर में जोड़ दो हमें, इससे अच्छा! इसलिए या तो सारी सुविधाएं लेकर आऐं हरिमा में। हमें कोई सरासनी से प्रॉब्लम नहीं है। या तो सरासनी जैसी सुविधा आप हरिमा में स्थापित कीजिए या फिर इस पंचायतराज से इसका पुनर्सीमांकन करके, जिससे की पता चल जाए कि कौनसा गांव वास्तव में पंचायत के लिए लायक है या नहीं है। हरिमा के लोग सहमत है क्या इस पंचायत के लिए? हाथ ऊपर करो। आज यह मौका मिला है, बार–बार ऐसा मौका नहीं मिलेगा। यह सर भी नहीं आएंगे, हम भी नहीं रहेंगे यहां पर, आप हाथ ऊपर, दोनों हाथ। ये सब देख लीजिए हरिमा के लोगों की सारी मांग ये मांग है और आप इसमें सेव करें आप पूरा का पूरा गांव इसमें से हो गया। आप इसकी कष्ट करें। प्रयास करें जिससे की या तो सुधार लिया जाए या फिर इस पंचायत का पुनर्गठन किया जाए। धन्यवाद!

ग्रामवासी:– आने कने पंचायत बनाने को आणे कणे कोनी है, निर्वाचन आयोग करी ना जण हुई। आपा अबार री मांग है। के मुण्डवा में ऐ अम्बुजा प्लांट में काई मांगा मानी, वी चीज को अठे जवाब देवो। थे आगे कार्यवाही करी ठो, जिता–जिता पॉइंट थे बनाया, वे पूरा काम करीयो कि नहीं करियो, वे पूरो देवो माने एक तो। एक जियां लाईब्रेरी की अठे सुविधा बहुत ही कम है, कोई सुविधा नहीं, जो कि सी.एस.आर. सू सुविधा करवाओं। मेमोरेन्डम है आपको कम्पनी का वो हम पंचायत को या आम ग्रामीण को देवे। और अखबार में दिलवाये, ये–ये चीजा मेमोरेन्डम है, दे–दे है।

श्री शैलेन्द्र सिंह, सरासनी :– हैलो सर, ये पंचायत अलग अलग करने की बात, आपके पास सुविधा है? एक बार सर को हां/ना में जवाब दें। अरे सर मैं आपसे पूछना चाहूंगा, क्या आप दोनों गांवों की पंचायत अलग–अलग कर सकते है? हां/ना का जवाब मांग रहे है आपसे। तो गांव वालों से निवेदन है थोडे बहुत पढे लिखे हम, ये पंचायत के लिए मीटिंग नहीं है, पर्यावरण के लिए, कंपनी के प्रति जिम्मेदारी की मीटिंग है ये और आपस में गांव का कोई लडाई झगडा थोडी है अपने? और जो वहां पॉसिबल है वही करेंगे हम।

श्री भंवरसिंह :– ओके ओके सब हो गया भाई। बैठो बैठो और आप सब से निवेदन है कि यह यहां से फ्री हो हुआ है, भोजन की व्यवस्था है, वहां पर अपने हरिमा से बाहर निकलते ही। साहब हरिमा और सरासनी कम्पलीट है, मैं भंवरसिंह सरासनी सरपंच प्रतिनिधि हूं। बाहर गांव के अगर बोलना चाहे तो उनको ईजाजत है।

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– एक बार जो है वो यहां जो एजेन्सी आई है हीयरिंग के लिये वो अपना पक्ष रखना चाहती है तो अपनी बात रखे। कम्पनी से जो लोग आये है वो अपनी बात रखें। फिर आर. ओ. साहब अपनी बात रखेंगें फिर वाईडअप करेंगें।

श्री चेतन रावल, कम्पनी प्रतिनिधि:– माननीय ए.डी.एम. साहब, आर. ओ. साहब, एस.डी.एम. साहब।

श्री चंपालाल जीनगर, ए.डी.एम. नागौर :– उपस्थिति पंजिका को हिन्दी भाषा में पढकर सुना रहे है और एक बार भेज रहे है पढकर साईन करे। एक बार पढ़, आप हिन्दी में पढ़े।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौर:– हेलो, आपने जो अभी उपस्थिति पंजीका के बारे में कहा था उसका हिंदी रूपांतरण जो आपके सामने पढकर सुना रहा हूँ। कृपया ध्यान दीजिए। एक बात पर, जो उपस्थिति पंजीका के बारे में आपने सवाल किया था उसका हिंदी रूपांतरण मैं आपको पढ़कर सुना रहा हूँ। उसको आप सुन लेवे, एक बार और अपनी उपस्थिति दर्ज करा दें। प्रस्तावित 3डी2 चूना पत्थर ब्लॉक क्षेत्र 434.08502 हेक्टेयर, चूना

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

पत्थर उत्पादन क्षमता 3.50 मिलियन टन प्रति वर्ष, ओबी अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रति वर्ष, ऊपरी मृदा 0.04 मिलियन टन प्रति वर्ष, कुल उत्खनन 4.4 मिलियन टन प्रति वर्ष के साथ क्रशर की स्थापना दो हजार टन प्रति घंटा कॉपलर के साथ स्थित गांव हरिमा और सरासनी तहसील एवं जिला नागौर, राजस्थान के संबंध में जो पर्यावरण स्वीकृति हो रही है, उसकी उपस्थिति पंजिका है। आप में से जो भी सज्जन पढ़ना चाहे, आप हिंदी में पढ़ सकते है तो आप एक बार पढ़ना चाहे तो पढ़ सकते हैं और आपसे निवेदन है कि इसके जो उपस्थिति है आप एक बार अपने नाम और सिग्नेचर उपस्थिति पंजिका पर दर्ज करा देवें।

श्री चेतन रावल, कम्पनी प्रतिनिधिः— आदरणीय ए.डी.एम साहब, आर.ओ. सर और हरिमा और सरासनी के सारे लोग जो यहां अपनी उपस्थिति दिखाई है और मैं तहे दिल से आप सब का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ कि आप लोग यहाँ पधारे और आपने अपनी अपनी बातें रखी। जो मुख्य बातें बताई गई है। आपको ये परियोजना सब स्वीकृतियों के बाद, जो सरकारी नियमों के हिसाब से तभी चालू की जायेगी। ये नहीं आज आ गये और कल से स्टार्ट हो जायेंगा। भूमि के लिये जो बात हुई है, भूमि के लिये ये है कि जो पुराने नियम थे, उससे अभी सरकारी नियम काफी चेन्ज हुए हैं। सरकारी नियमों के अधीन रहते हुये और ग्रामजनों के जितने भी हित में ही लिया जायेगा। आपसे कोई जबरदस्ती करके कोई जमीन अधीग्रहण करता नहीं है, कहीं पर भी हुआ नहीं है और न ही होगा। तो उससे निश्चित रहिये। गांव के जो विकास कार्य है सबसे अच्छी बात लगी इस गांव के बारें में सबने अपने गांव को अच्छा बनाने के लिये सोचा हैं तो जो भी मांगे रखी गई है स्कूल, पानी है, लाईट है या प्लान्टेशन का अच्छा रिक्वायरमेन्ट रखा गया है। उस चीजों को हम पूरा करेगें। हमारे सी.एस. आर. प्रोग्राम के द्वारा, हम हमेशा करते आ रहे है और उसका आगे भी करेंगें गोचर और अंगोर की भूमि के बारें में बताया की सरकारी नियम है गोचर और अंगोर को नहीं छेडते हैं। हमारे अप्रुव्ड माईनिंग प्लान में भी इसे छोडा गया है और न ही छेड़ेंगें। और इसको और सुधार करके आपको देंगें। महिलाओं के लिये हम सेडी के द्वारा काफी अच्छे प्रोग्राम करते है। आप जब भोजन के लिए जाऐं खासकर महिलायें, वहां कुछ फोर्स रखे हुये है तथा कियोस्क लगे हुये है जहां आपको जानकारी दी जायेगी।

एक नागौर में एक सेडी संस्था चल रही है जिसमें खासकर महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए, महिलाएं कैसे कमा सके, क्या चीजों को कैसे कर सके वो आपको वहां से जानकारी मिलेगी। नहीं मिलेगी तो एक चीज याद रखिएं। हम यहां आए हैं तो हमारे ऑफिसर यहां रहेंगे। ऐसा नहीं कि आज आए और आपको अगले साल मिलेंगे। रोज कोई ना कोई मिलना चाहेगा जैसे आपने हमारे सीएसआर से रंगा जी है, विजय है, ऐसे कुछ ना कुछ प्रतिनिधि यहां रहेंगे। आप उनको फोन कर सकते हो, कोई भी और स्कील के हिसाब से सुधार करके आपको देंगे। महिलाओं के लिए ट्रेनिंग के काफी अच्छे प्रोग्राम करते हैं। आप जायें और अपना स्कील बढायें। मैं चाहूंगा कि आप जब सब गांव वाले हरिमा सरासनी वाले, परिवार वाले आपके लिए उत्तम सीखें और आप सबके लिए एक अच्छा सुनहरा अवसर है। तो आप सबने इसमें साथ दिया। इसके लिए मैं तहेदिल से धन्यवाद करता हूं। बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः— अगर आप कोई अपने विचार प्रकट करना चाहते हैं तो प्लीज कीजिए।

रिटायर्ड कैप्टन श्री मेघाराम :— मैं कैप्टन, मेघाराम रिटायर्ड मेरा गांव हिंदास और मेरा खेत है सरासनी के अन्दर। मैं अभी दो तीन बातें पेश करना चाहुंगा। एक तो सभी ग्राम वासी को कंपनी के साथ सहयोग करना चाहिए। आप सहयोग करोगे, उनकी बात सुनोगे अच्छी तरीके से, तब तो कंपनी आपके लिए करेगी और आप अच्छा काम करोगे तो कंपनी सकारात्मक तरीके से पेश आएगी और अगर आप आपसी गनगुटाव के साथ पेश करोगे, भागोगे, तो फिर ये कैसे सुनेंगे, इन्हें पता ही नहीं है, तो कंपनी जब भी सुनेगी, जब अच्छी तरीके से पैश आवोगे, इनके साथ और कोई प्रॉब्लम है, उसको एक शांत तरीके से बताओ। इनको समझ में आए और वो सही बता सके। नंबर दो–तीन बातें, दो–तीन बातें और थी, एक तो जो जमीन का रेट है, उसके अंदर कंपनी से अनुरोध है कि वो पहले से ही अच्छी तरीके से रेट तय करें। बिल्कुल डाउन ₹11 लाख आप दे रहे हो, 11 लाख में क्या आ रहा है? जो जमीन, नॉर्मल जमीन है, जिसके अंदर कंपनी खड़ी कर रहे हो, वो दे रहे है तो आप उनको मजबूर क्यों कर रहे हो कि भाई बिल्कुल 11 लाख से स्टार्ट कर रहे हो इस कंपनी से रेट अच्छी दो, की वो आंदोलन के लिए मजबूर ना हो। उसके बाद दो–चार बातें और है, जैसे कि बच्चों का एक पोईन्ट था, के भई स्कूल और लाइब्रेरी का है तो लाइब्रेरी, यहां पर कम से कम पाँच सौ बच्चे एयर कंडीशन लाइब्रेरी हो हरिमा के अंदर, जिसके अंदर पांच सौ बच्चे बैठकर अच्छी तरीके से पढाई कर सके। जिससे इस गांव के बच्चों का पढाई की तरफ से विकास होगा तो सभी के काम आएगा। नंबर दो पॉइंट आया था एक शमशान घाट का की भई शमशान घाट है ही नहीं,

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

... बड़ी समस्या आ रही है,.कई लोगों को। तो यह बोल रहे हैं कि इस जाति का अलग कर दो , इसका अलग कर दो। उसकी वजह एक सामूहिक श्मशान घाट भी तो कम्पनी बना सकती है अच्छा। जहां पर आदमी अलग से, वै तो सबको जाना है तो इसकी तरफ कंपनी ध्यान दे। एक अच्छा सबका ईक्ट्ठा ही कोई अलग अलग नहीं। जरूरी नहीं हमने बहुत सारी जगह देखते है कि, अलग अलग है। ऐसा नहीं होना चाहिए। और नंबर किसान सारे जिनकी जमीन चली जाएगी वो क्या करेंगे? वो पशुपालन का काम करेंगे और पशुपालन में समस्या ये आती है कि कोई डॉक्टर नहीं है। नहीं कोई कंपाउंडर है तो एक मोबाइल, दो तीन मोबाइल वैन हो, जिसके अंदर डॉक्टर और कंपाउंडर। किसी भी किसान पशुपालक को परेशानी हो तो उसके घर पर जाकर अगर वो वैन से इलाज कर सके, क्योंकि गाय भैंस को यहां पर लाना भी काफी मुश्किल है, तो दो तीन वैन हो हर टाइम, इनको मिल जाए तो आपका किसान बहुत खुश होगा और आपको सहयोग करेगा हर जगह। धन्यवाद।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः– आपसे निवेदन है कि आपका नाम और गांव बताएं।

श्री जगदीश प्रसाद सोलंकी, अमरपुरा :– देखिऐं आप सब से निवेदन है कि हरिमा गांव है ना... मेरा नाम जगदीश प्रसाद सोलंकी, मेरा गांव अमरपुरा है, और हरिमा मेरे खेत की है..., ऐसी बात है कि हरिमा का गांव हेना बहुत कमजोर गांव है और आप पैसे वालों को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। इनके अच्छी रेटें देवों, जिनके ये घर छोड़ के दूसरे गांव जाकर जमीन लेनी पडेगी। 10 लाख क्या आता, 11 लाख क्या आता, 15 लाख कुछ नहीं आता, आज रोड पर कही खेत भी नहीं मिलता, तो आप ऐसा करिऐ कि इनको घर और खेत मिलना जरूरी है, देखने के लिदे तो क्या है इनके घरवाले दुखी हो रहे है। आप इनको अच्छी सुविधा देवो, कम्पनी को कोई फर्क नहीं पड़ता और गवर्नमेंट, भारतीय सरकार है, सब व्यवस्था कम्पनी को देती है, दूसरे वर्ग को वो व्यवस्था नहीं देती है, मोदी सरकार ऐसी है जो उद्योगपतियों को ही पैसे भेजती है, और गरीबों को कुछ नहीं देती है। इसलिए आप गरीबों के सामने देखों, और इनको अच्छी सुविधा दो, घर भी मिल जायें और खेत भी मिल जायें। इसमें आपका भला, हमारा भी भला, सबका भला और गांव वालों का भी भला हो जाये। ऐसी रकम कि ढ़ग से दो, की 15 20 हजार लाख रिपया, 15–20 लाख रिपया मिलें तो इनका घर, गांव के बाहर जाना पड़ेगा कम्पनी को, कहां जमीनें है, आप सब को जमीन देंगे तो इनको जाना बाहर ही पड़ेगा, कहां बसेंगे ये। हमारे अमरपुरा के अन्दर 15 लाख 20 लाख की रेट हो गई, ये कहां जायेंगे फिर, गांव का जाई बसगा उदयपुर, कोटा, बून्दी यहां पर जमीन कहां मिलने वाली है इनको, इसलिए आप अच्छा सोच के बढ़िया प्रोग्राम दो, गरीब आदमी को भलो हेवे। आप ने धन्यवाद, सबको धन्यवाद!

श्री रुपचन्द कच्छावा :– मेरा नाम रुपचन्द कच्छावा, और मैं भारत सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र की ए.आई.सी में सी.एल.ए. पोस्ट पर हू, और हरिना से मेरा...।

श्रीमती मन्जू, हरिमा :– पानी की टंकी पुरानी है, उसे दूसरी बनाओ, पुरानी से पानी सप्लाई नहीं होता मैन गांव में। गांव में पानी री कमी है।

श्री रुपचन्द कच्छावा :– सभी ने अपने अपने मत रखें, बहुत ही अच्छी बात है। देखो आपके मत कुछ है। जो प्रशासनिक है वो कंपनी के अंदर में नहीं आते हैं जो कंपनी के द्वारा जितने भी होंगे वे सब पूरे किए जाएंगे और हम लोगों ने जो डिमांड रखी है वो न सिर्फ लिखित में वो न्यूज पेपर में भी दी जाएगी। अब कुछ बंधुओं की इतनी अच्छी थी कि हमारे स्किल डेवलपमेंट करवाई जाए तो मैं बताना चाहूंगा कि माली संस्था के पास में अंबुजा द्वारा सेडी संस्था चलती है जहां सिर्फ एक आपका छोटा सा 300, ₹400 का रजिस्ट्रेशन मात्र होता है और निशुल्क ट्रेनिंग दी जाती है। महिलाओं के लिए भी बहुत सारी ट्रेनिंग दी जाती है तो आप वहां पर जाओ।

ग्रामीण बालिका :– वहां पर, कोई निःशुल्क नहीं है। वहां पर हमने पहले बताया भी नहीं कि ₹3,000 लगते हैं यहां से गाड़ी मे लेकर गए और बोले ₹3,000 लेकर आना और फिर आपको दो महीने का कोर्स होगा फिर हम हरिनां वालों को किराया देंगे और हमने बोला हम नहीं करेंगे। 3000 में कोर्स कौनसा निःशुल्क हुआ ये।

श्री प्रदीप शर्मा, निवासी हरिमा :– मेरा नाम प्रदीप शर्मा है। मैं यहीं का निवासी हूं। इन्होंने जो बात रखी है, जो सेडी की रखी है, उसके बारे में मैं बता देता हूं। जैसा कि इन्होंने बोला रजिस्ट्रेशन चार्ज, वहां पर किराया भी मिलता है। वहां पर ड्रेस भी मिलती है, बैग भी मिलता है। उसके बाद वहां पर जैसे कि फंडिंग से चल रहे हैं प्रोग्राम, तो उनका है तो सारी सुविधा उपलब्ध है वहां पर जो कोर विलेज है अम्बुजा का, उनको किराया भी मिलता है और वहां पर नौकरी भी दी जाती है बच्चों को ट्रेनिंग के दौरान। और जो महिलाएं अपना खुद का काम करना चाहते हैं उनके लिए ब्यूटी पार्लर है, तो वह भी खुलवाते हैं। सहयोग राशि देती है अम्बुजा खुद।

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

Scanned with OKEN Scanner

श्री लिखमाराम मांनू :– इन ग्रामीणों की एक मांग और है और महिलाओं की विशेष तौर से, यहां जो गोचर भूमि है, गोचर भूमि है वो भी आप एक्वायर करेंगे। आप उसके संबंध में क्या कहना चाह रहे हैं? कंपनी और प्रशासनिक अधिकारी विराजे है। जो गोचर भूमि आप एक्वायर करेंगे, आपके अंडर में आ रही है उसके बदले में इनका क्या रहेगा? इनकी जो, जो है वो उसका क्या करेंगे? उसके लिए ये चाह रहे है, पशुपालन हमारा मुख्य व्यवसाय है। पशुपालन के लिए हमें सबसे बड़ी चीज जमीन चाहिए। आप यह चाहेंगे कि इसकी जगह दूसरे किसी गांव मे या दूसरे किसी क्षेत्र में जमीन लेकर हम उसको गोचर कर देंगे, यह इनको मंजूर नहीं। ग्रामीण यह चाह रहे है कि हमारे यहां जो गोचर है या तो गोचर ही नहीं ली जाए और ली जाए तो इसके बगल में यहीं पर वह अलॉटमेंट की जाए या फिर यहीं खरीद कर हमें गोचर भूमि अलॉटमेंट की जाए। जो सामान्य भूमि हो।

श्री चेतन रावल, कम्पनी प्रतिनिधिः– बाबूजी हैलो, आपका सुझाव सही है और हम अभी गोचर भूमि लेने वाले नहीं है और सरकार की नियम के अनुसार अगर लेंगे तो सरकार के नियम के अनुसार आपको गोचर भूमि देंगे, तो जो आप बोल रहे है, उसमें पॉईट......।

श्री लिखमाराम मांनू :– हमारा यह निवेदन है कि बदले में जो जमीन देंगे वह इसी गांव की।

श्री चेतन रावल, कम्पनी प्रतिनिधिः– अभी हमारा प्रपोजल में गोचर भूमि लेना ही नहीं है। हमने प्लान में भी नहीं लिया, ना ही फ्यूचर में, गोचर भूमि ली जाएगी।

श्री लिखमाराम मांनू :– गोचर भूमि के डेवलपमेंट के लिए क्या करेंगे?

श्री चेतन रावल, कम्पनी प्रतिनिधिः– यहां पर जो भी प्लांटेशन की रिक्वायरमेंट है या हम लोग जैसे अभी दूसरे जगह पर करते हैं। गोचर के लिए क्या चारा चाहिए, तो चारे के लिए जो व्यवस्था करनी रहेगी तो इसमें भी हम सहयोग करते हैं।

श्री लिखमाराम मांनू :– एक, एक हमारे यहां लोगों की यह मांग भी है कि सबसे बड़ी चीज कि जिसका खेत आ गया 30 बीघा, 50 बीघा या 30 बीघा, उसका जो आपका ट्रेस नक्शा है, उसमें कुछ पार्ट बच रहा है, जैसे किसी का पांच बीघा बच गया, किसी का चार बीघा बच गया, उसका क्या, खरीदोगें? वो चार बीघे में उसका क्या होना है? वो तो आपका पोल्यूशन देखकर खत्म हो जाएगा। उसकी क्या सायोरटी है? जिसका खेत आ रहा है वो तो 5 बीघा, 10 बीघा, 20 बीघा, भीघा 30 बीघा जितना भी आ रहा है। तो वो अगर दो बीघा अलग रह गया तो उसका क्या करेंगे आप?

श्री चेतन रावल, कम्पनी प्रतिनिधिः– जब हम जमीन लेते हैं, जमीन के वक्त में उसकी जो रिक्वायरमेन्ट रहेगी, जो किसान की है। अगर वो देना चाहता है तो ले लिया जाएगा। कहीं नहीं लेते हैं, तो हमारे साथ दोनों तरीके से जो किसान चाहेगा वैसा करेंगे।

श्री लिखमाराम मांनू :– हम यह चाह रहे हैं कि हमारे जो भी खसरे आये हैं, जो खसरे आपके अगर नक्शे में नहीं हो, और वो उस मालिक का हो तो वो पूरा संपूर्ण नक्शा जो आपका है उसमें अगर आउट है खेत तो भी वो खरीदा जाए। उसमें कुछ भी नहीं किया जाएगा।

श्री चेतन रावल, कम्पनी प्रतिनिधिः– किसान चाहेगा वैसा करेंगे, तो किसान की इच्छा पूरी करेंगें।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः– यह जनसुनवाई पर्यावरण के संबंध में है, तो आपसे निवेदन है कि जो पर्यावरण संबंधी मुद्दे हो वो रखें और हरिमा सरासनी से कोई और पक्ष रखना चाहता है, तो अपना पक्ष रख सकता है। नहीं तो इसको समाप्ति की तरफ अपन ले जाते हैं जनसुनवाई को।

श्री लिखमाराम मांनू : – नहीं, यह इन लोगों का यह थॉट है कि पर्यावरण का जो मुद्दा है, सबसे बड़ी चीज है, मूण्डवा और ईनाणा, इनकी जो दुर्दशा हो रही है, क्या हमारी भी यही? क्योंकि इसमें हरिमा, जो गांव है, जो आपके प्लांट के, जो माइनिंग एरिया है, उसके सबसे नजदीक गांव है। 500 मीटर की दूरी है तो वहां पर्यावरण का और इनके लोगों का, ब्लास्टिंग का और जो इनकी, जो पशुधन है उसका क्या किया जाएगा? उसके संबंध में आपका क्या विचार है?

श्री चंपालाल जीनगर, एडीएम, नागौरः– कुछ आप बोलेंगे या फिर ठीक है? ठीक है, आप, फिर बोलेंगे।

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल

Scanned with OKEN Scanner

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी; नागौरः— एडीएम साहब के धन्यवाद के साथ और आप सब के सुझावों के साथ, इस जनसुनवाई को हम समाप्ति की तरफ लेकर जाते हैं।

श्री चम्पालाल जीनगर, एडीएम, नागौरः— आप लोगों के जितने भी जो है, सजेशन आए, ज्ञापन आया आए हैं, अपनी बात आपने रखी है, सब रिकॉर्ड है और वो बिल्कुल वीडियो के रूप में भी रिकॉर्ड रहेगा। वो कागजों के रूप में भी रिकॉर्ड रहेगा। नाम से, नाम के साथ रिकॉर्ड रहेगा और कोई सज्जन जो है वो यहां पर विराजमान है, अपनी बात रखना चाहेंगे।

श्री जगवीर छाबा, डेह — मैं मेरा परिचय दे देता हूं आपको पहले, मेरा नाम जगवीर छाबा है, मेरा गांव डेह है और इसी इरेम क्षेत्र में हमारा खेत भी है। हम काफी वर्षों से अम्बुजा का नाम सुन रहे हैं, मूंडवा के अंदर जब आपने शुरूआत में काम शुरू किया। उस समय हमने आपको बहुत करीब से देखा है और आपका और जनता का जो संबंध है वो खट्टा है, अनुभव है वो कड़वा है। इस कंपनी को लोग वर्षों से इंतजार करते करते मुण्डवा में प्लांट आया। प्लांट आने के बाद उसमें कई लोग जो लग गए, जिनका कोई लेना देना नहीं था, उनका कोई एक फूट जमीन नहीं था। आपका डेवलपमेंट, आपका जो भी कर्मचारी है। कौन पता नहीं कहां कहां से हजार किलोमीटर दूर 2000 किलोमीटर दूर से आते हैं। यहां का किसान गरीब अपनी सारी जमीन आपको समर्पित कर देता है और बदले में उसको वहां से गांव छोड़कर बाहर कही जाना पड़ता है। ईनाणा गांव हमारे पूरे नागौर जिले के अंदर बहुत सक्षम गांव है, उसने गांव ने पूरी जमीन आपको दी है। लेकिन वो जमाना ऐसा था कि उसमें समझ कम थी। जमीन के बदले लोगों ने वापस जमीन नहीं ली। उस समय, वो बहुत कम होते हुए भी बहुत बड़ी रकम थी। लेकिन आज वो गांव पूरा जमीन विहीन हो गया। मुश्किल से कोई 10 परसेंट लोगों ने जमीन ली है। वो भी कोई बात नहीं। आपकी यहां कंपनी रहती और सोचती, जो वादे किए, मूण्डवा से लेकर नागौर तक वो रोड बनाएंगे, वो पर्यावरण के लिए करेंगे। पेड़—पौधे लगाएंगे। कंपनी ने सारा, चारों तरफ, पूरी जमीन इकट्ठी करके बेच के मूंडवा से भाग गई और यह स्थापित होना चाहती है। यह बात ठीक नहीं है। यहां कोई आपको स्थापित करने के लिए ये हजार साल पुराना गांव है। आपके लिए नहीं बैठा, यहां पर आपकी जमीन की जो वैल्यू है वो मात्र नॉमिनल है। आप तो इतनी गारंटी देकर चले जाओ एक बीघे के अंदर, नागौर के अंदर जो हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी है, 25 बाई 25 का, 25 बाई 50 का प्लॉट दे देंगे आपको। आपकी वैल्यू क्या है? यहां का किसान छह बीघा जमीन बेचेगा। आपको तो एक 25 बाई 50 का प्लॉट मिलेगा उसको। आपको गणना कठिन लगती होगी, लेकिन आप मुआवजा कितना भी दे सकते हैं आपको कोई क्राइटेरिया नहीं है और कहने में आप कहते हो, जो डीएलसी रेट है उसका चार गुना, दो गुना, पांच गुना जो भी आपका गणित है खरीद रहे, किसान को अपनी जमीन चाहिए, वो कैसे दे? उसके ऊपर आपको गंभीरता से सोचना चाहिए। यहां सब ताली बजाने आ गए। इनका पता नहीं दो महीने बाद सारे सोचेंगे, मेरे पैसे कहां गए। पैसे दो महीने बाद किसी की जेब में नहीं मिलेंगे, किसी के खाते में नहीं मिलेंगे। अभी एक बुजुर्ग ने बोला था दूर तक जाना पड़ेगा, गांव छोड़ना पड़ेगा, जमीन और कहीं लेनी पड़ेगी। आप यहां आ तो रहो, मुंडवा की तरह भाग मत जाना, और आपने जो वादे किए, पर्यावरण के लिए ये पर्यावरण के लिए मीटिंग तो एक फॉर्मेलिटी है। आपको एनओसी देनी है, उसमें कोई दिक्कत नहीं है। आप चाहे कुछ भी कर लोगे तो भी एनओसी तो मिलेगी। क्योंकि ये देखते है हम। तो यह फॉर्मेलिटी है आपसे साइन करना, आपके साथ मीटिंग करना, आपको दूर भेजना, इससे कोई मतलब नहीं रखता। हम यहां पैदा हुए है, हमारे बुजुर्ग यहां रहे हैं। एक 25 बाई 50 प्लॉट में आपको गणना बताई। जो आपको एक बीघा देगा, उसके अंदर कितना डिपॉजिट माल मिल रहा है आपको? आपने गणना की होगी। आप कितना मजा लेंगे, कितना कमा लेंगे उसका। कुछ तो किसान को दो, उसका यहां बेवकूफ बनाकर जाने से कुछ नहीं होगा। जय हिंद, जय भारत।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः— इसी के साथ, जनसुनवाई में आए सभी गणमान्य व्यक्तियों का, एडीएम साहब का, एसडीएम साहब का, धन्यवाद! मुंडवा और ईनाणा से जो है वो अपनी बात आगे कंटीन्यू रख सकते हैं।

श्री शैतानराम ईनाणियां, पूर्व अध्यापक, ईनाणाः— एडीएम साहब, एसडीएम साहब, आरओ साहब नमस्कार, साथियों और ग्रामीणों हमला ने राम राम, सबको राम राम। देखो आज मीटिंग है पर्यावरण की, पर्यावरण ने किंया राखणों।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः— आपका नाम और पहले गांव का नाम।

श्री शैतानराम ईनाणियां, पूर्व अध्यापक, ईनाणाः— मेरा नाम शैतानराम ईनाणिया, पूर्व अध्यापक, ईनाणा, मैंने डेढ साल पहले रिटायरमेंट लेना पड़ा, मुझे कंपनी से संघर्ष करने के लिए, कंपनी ने कई वादे किए थे। कंपनी ने वादे

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] दिए। अभी हम 10 आदमी, 15 आदमी आए थे यहां। बाहर गार्डों ने रोक दिया कि आप यहां नहीं आ सकते। पहले हरिमा और ससासनी वाले कि है हियरिंग, आप यहां नहीं आ सकते। मैंने निवेदन किया कि मैं एडीएम साहब से समय मांग कर आया हूं। एडीएम साहब से पूछकर आए है, तब हमें यहां आने दिया और आज [illegible] बाद में इनकी फैक्ट्री लगने के बाद में, हम अंबुजा फैक्ट्री में जाना चाह रहे थे, एक दिन। जाकर अधिकारियों से बात करें, तो गार्डों ने साफ कह दिया कि धोती पहनने वालों को अलाउ नहीं है। और इसके लिए जो मदन [illegible] हो, तो यह बात सही नहीं कि आपको? बताओ कि धोती वाले अलाउ नहीं है फैक्ट्री में।

श्री चंपालाल जीनगर, एडीएम, नागौरः– शैतान जी अपनी बात संक्षेप में कहे, सभी का समय इम्पोर्टेन्ट है।

श्री शैतानराम ईनाणियां, पूर्व अध्यापक, ईनाणाः– पर्यावरण के लिए अब वायु प्रदूषण होगा, धुआं होगा और मिट्टी भी उड़ेगी तो कम्पनी से निवेदन करना चाहते हैं साहब, बताओ आप ये धुआं और मिट्टी को कैसे कंट्रोल करेंगे? साथ साथ आप जवाब भी देते रहो।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः– आपसे निवेदन है शैतान जी आप एक बार आपकी बात रख दें इसके बाद कंपनी आपको जवाब दे देगी।

श्री शैतानराम ईनाणियां, पूर्व अध्यापक, ईनाणाः– मुण्डवा में वहां प्रदूषण हो रहा है और जहां हम, जहां से माइनिंग शुरू हो रहा है वहां पर पानी की व्यवस्था है और वहां पानी छिड़कने के लिए आपको सब जगह रोलर चलेगा। जहां डंपर चलेंगे वहां पानी छिड़केंगे वहां से मिट्टी नहीं उडनी चाहिए, लेकिन बहुत ज्यादा मिट्टी उड रही है। घरों के आसपास हालत खस्ता है। लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है और इतना कंपन हो रहा है जमीन में, आसपास नरादना तक एक भी टांका सेफ नहीं है। पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। मकानों में दरारें आ गई है और जब हम कहते हैं तो कुछ नहीं, उसके लिए कोई भी कार्यवाई नहीं हो रही है आज तक। यह एडीएम साहब ने कहा कि मैं टीम बुलाऊंगा और सर्वे करूंगा और आज दो महीने हो गए अभी तक न तो कोई टीम आई है और आज बरसात का पानी है, वहां आते ही चला जाता है। पानी के लिए बहुत दिक्कत हो रही होगी और यहां होगी, और ध्वनि जो प्रदूषण है आपको आवाज सुनाई नही देगी। फैक्ट्री कलकल, कलकल, कलकल करेगी। उसके लिए भी आपको मशीन के लिए कैसे कम आवाज की मशीन लगाएंगे, क्या करेंगे वो आप इसके बारे में भी आप विचार कर करना है। पेड पौधे जहां मुण्डवा में 540 हेक्टेयर में पेड पौधे लगाने की बात कही थी। जहां कोई 540 हेक्टेयर में पेड पौधे नहीं लगे हुए और वहां हमने कहा कि 540 में पेड पौधे क्यों नहीं लगे हुए तो क्या हमे लोग लगाने नही देते हैं? हम क्या करें? यह जवाब मिला है कि पेड़ पौधे लगाने नहीं देते है। बेरोजगारी बढेगी क्योंकि जमीन तो रहेगी नहीं और नौकरी ये देंगे नहीं। आज जो वादा कर रहे हैं कि हम इतने लोगों को नौकरी दें। बताओ ईनाणा रूपासर, खेरवाड़, भड़ाणा, मुण्डवा में कितने लोगों को आपने रोजगार दिया है? जब हम कहते है कि योग्यतानुसार नौकरी देंगे। मेरे तीन बेटे इंजीनियर है, एक बेटी डॉक्टर है, बताओ मैंने एक बेटे के लिए कहा था कि आप योग्यता अनुसार एक बेटे को नौकरी ले लो, तो इन्होंने स्पष्ट मना किया, 150 किलोमीटर दूर होना चाहिए यहां का नहीं होना चाहिए। तो आप क्या 150 किलोमीटर दूर जाएंगे वहां नौकरी करने के लिए? जब आधार, किसी ने आधार जयपुर से बनवाया, जयपुर से आधार कार्ड बनवाया और जयपुर का आधार कार्ड, फिर भी क्या कहते हैं कि मूल आधार कार्ड पहले वहां का था, अब जयपुर का ट्रांसफर हुआ है, इसलिए इनको नौकरी नहीं मिलेगी। तो कंपनी केवल झूठ का पुलिंदा है, केवल–केवल कंपनी झूठ का पुलिंदा है। जैसे मैं हूँ, मुझे लालच देंगे, कुछ भी करेंगे। कुछ–कुछ, मानलो मेरा बेटा बिगड़ैल हो गया, मेरा बेटा शराबी हो गया, कुछ भी हो गया। उसको लेकर के क्या कहेंगे। इस आदमी को सलटा दो। आपको ₹40 लाख रुपये दे देंगे, ₹20 लाख दे देंगे। जब उस आदमी को सलटा देता रास्ते से, तो जब वो पैसे मांगने के लिए आता है।

श्री चंपालाल जीनगर, एडीएम, नागौरः– मुद्दे की बात करो। ठीक है ना। आरोप प्रत्यारोप की बजाय मुद्दे की बात करो।

श्री शैतानराम ईनाणियां, पूर्व अध्यापक, ईनाणाः– जो आज यह वादा कर रहे हैं कि यहां पर ऐसा करेंगे, ऐसा करेंगे। एक तो इनसे जो प्रति है वो हमें उपलब्ध कराएं कि ये क्या क्या करेंगे? पर्यावरण के लिए उन्होंने कितने वादे किए हैं, वो सारे एक प्रति उपलब्ध कराने का कष्ट करें। एक जे.के., जो सिंघानिया है जो बच्चों को आज एडमिशन के लिए ढाई लाख रुपए प्रति बच्चे के लग रहे हैं। लेकिन जिनकी जमीन गई है उन बच्चों को फ्री शिक्षा दे रही है, वहां गोटन में क्यों नहीं? तो क्यूं नहीं, आसपास यहां अंबुजा कंपनी, उन बच्चों को फ्री शिक्षा देने के लिए व्यवस्था की जाए, जो आज पहली क्लास में बच्चे की ढाई लाख फीस लग रही है, तो जहां गोटन में छोटी सी एक हजार बीघा जमीन में चल रही है जे.के., तो वहां बहुत अच्छी व्यवस्था है। तो अब यह तो विश्व में

[illegible]

(चम्पालाल जीनगर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
नागौर

Scanned with OKEN Scanner

... कंपनी है और इसके लिए आप हमें वादा करके दे कि जहां जितने भी किसानों की जमीन गई है उनके ... को शिक्षा और जेके सिंघानिया की तरफ दिया जाएगा। एडीएम साहब ने शोर्ट में कहा। नमस्कार जी!

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः— शैतान जी आपको एक जानकारी में देना चाहूंगा, जो आपने पूछा ... प्लान के बारे में, तो यह प्लान कुल 12 जगह पर अवाईलेबल होता है। आप वहां जाकर स्टडी कर सकते हैं ... जिला कलेक्टर कार्यालय, नागौर, सीईओ, जिला परिषद, नागौर, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल मुख्यालय, जयपुर, पर्यावरण विभाग, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर, क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, जयपुर, उपखंड अधिकारी, नागौर, तहसीलदार नागौर, क्षेत्रीय प्रबंधक, रीको नागौर, जिला उद्योग केंद्र नागौर, ग्राम पंचायत हरीमा, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हरीमा, तहसील नागौर और बीडीओ नागौर, ये 12 जगह पर पूरा का पूरा डिटेल प्लान रहता है। आप जाकर वहां स्टडी कर सकते हैं। इन्होंने क्या ... आपको किया है।

श्री शैतानराम ईनाणियां, पूर्व अध्यापक, ईनाणाः— ठीक है सर, एक ये जो लिखित में उन्होंने दे रखा है।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः— वो लिखित में है। वो पूरा।

श्री शैतानराम ईनाणियां, पूर्व अध्यापक, ईनाणाः— नहीं, हमें लिखित में दे रखा है कि आपकी जमीन, आप हमें 2,00,000 में रजिस्ट्री करवा दी और अंतिम रेट होगी वह आपको दी जाएगी, यह किसानों को 2 लाख लिए, कई 5 दिए और कोई 8,66,000, इस तरह रेट दिए, तो...।

श्री सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः— शैतान जी यह मुद्दा पर्यावरण के संबंध में है, आप उसके बारे में विचार रखे।

श्री चंपालाल जीनगर, एडीएम, नागौरः— शैतान जी बात सुनो, यहां के जो हरिमा और सरासनी के जो किसान लोग हैं, सब लोगों ने एक ज्ञापन तैयार किया है। उसमें से अधिकतर जो है वो एक ही बात आई है, कि साहब पूरा गांव जो है वो बैठे और बैठ के डिसीजन हो कि क्या रेट हो तो वो बात आ गई है जो आप बात कर रहे हो वो बात आ गई है और रिकॉर्ड पर है। अभी सबका धन्यवाद।

सचिन कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, नागौरः— आप सभी जो जनसुनवाई में पधारे, धन्वाद! इसी के साथ जनसुनवाई की कार्यवाही समाप्त की जाए। धन्यवाद।

जनसुनवाई से पहले, दौरान एवं जनसुनवाई के पश्चात उक्त खनन परियोजना से संबंधित जो भी सुझाव/अभ्यावेदन/प्रार्थना पत्र लिखित रूप में प्राप्त हुए हैं, संलग्न है।

अन्त में क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल, नागौर द्वारा जनसुनवाई के दौरान ग्रामवासियों/व्यक्तियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद के साथ श्री चम्पालाल जीनगर, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जिला नागौर की अनुमति से पर्यावरणीय जनसुनवाई की समाप्ति की घोषणा के साथ जन–सुनवाई की कार्यवाही सम्पन्न की गई।

श्री सचिन कुमार,
क्षेत्रीय अधिकारी,
रा.रा.प्र.नि.म., नागौर

श्री चम्पालाल जीनगर,
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
जिला नागौर

Scanned with OKEN Scanner

उपस्थिति पत्रक

Public hearing for Environmental Clearance for "Proposed 3D2 Limestone Block (Auctioned Block) (Area: 434.08502 Ha) with proposed Limestone Production Capactiy 3.0 Million TPA, OB/waste 1.15 Million TPA, Top Soil 0.34 Million TPA, (Total Excavation 4.49 Million TPA) along with Installation of Crusher (2000 TPH) with Wobbler at Villages: Harima & Sarasani, Tehsil and Disctrict: Nagaur (Raj.) Applied by M/s Ambuja Cement Limited (Unit: Marwar Mundwa)."

Place:- Government Upper Primary School, Harima, Tehsil- Nagaur, District- Nagaur
Date:- 24.07.2024,
Time:- 01.00 PM

क्र.स.	नाम व पता	मोबाइल नम्बर	हस्ताक्षर
1	Champalal Jeengar	ADM Nagaur	[signature]
2	Sachin Kumar, R.O, RSPCB	9571228128	[signature]
3	Tejraj Gaur, AEO, RSPCB.	9549028647.	[signature]
4	Shiv Prasad Gour	9680086200	[signature]
5	Kailash Chand Sharma	9079061928	[signature]
6	3 GIRISH Kumar	08655428805	[signature]
7	Chetan Raut	9998957320	[signature]
8	पीयुष बृजवासी, अम्बुजा सीमेन्ट मारवाड़ मूण्डवा	7891327111	[signature]
9	राजेन्द्र पारीक, अम्बुजा सीमेन्ट मारवाड़ मूण्डवा	9977421009	[signature]
10	अंकित अग्रवाल, अम्बुजा सीमेन्ट लि	8284877558	[signature]
11	रामकिशोर तिवाड़ी. अम्बुजा सीमेन्ट लि.	9029389953	Ramkishor
12	विकास पचांरिया, मेड़ता-सिटी	9024921921	Vikas
13	मिथिलेश कुमार, मारवाड़ मूण्डवा	9660237737	मिथिलेश
14	Prashant Raga	9928876760	[signature]
15	Vijay Singh Chouhan	9001023023	[signature]

उपस्थिति पत्रक

Public hearing for Environmental Clearance for "Proposed 3D2 Limestone Block (Auctioned Block) (Area: 434.08502 Ha) with proposed Limestone Production Capactiy 3.0 Million TPA, OB/waste 1.15 Million TPA, Top Soil 0.34 Million TPA, (Total Excavation 4.49 Million TPA) along with Installation of Crusher (2000 TPH) with Wobbler at Villages: Harima & Sarasani, Tehsil and Disctrict: Nagaur (Raj.) Applied by M/s Ambuja Cement Limited (Unit: Marwar Mundwa)."

Place:- Government Upper Primary School, Harima, Tehsil- Nagaur, District- Nagaur
Date:- 24.07.2024,
Time:- 01.00 PM

16	चन्द्रकाला शर्मा (हरिमा गाँव)	चन्द्रकाला	6377021771
17	केसाराम - (हरिमा)		केसाराम
18	Abhishek (Harima)		अभिषेक
19	Naveen Parashar, Marwar Mundwa	7000019540	[signature]
20	Mayank Kumawat, Marwar Mundwa	8769919007	[signature]
21	Mayur Potheotare, Marwar Mundwa	9209719191	Mayur
22	Dheeraj Kumar, Marwar Mundwa	7979015510	Dheeraj [signature]
23	Bhom Dan Marwar Mundwa	7698907883	[signature]
24	Bhagyavardhan	7024480664	Bhag.
25	Ramesh chandra	7357727555	[signature]
26	Dilip Singh (Harima)	9352500063	दिलीप सिंह
27	Bhanwar Singh (Harima)	9829814864	[signature]
28	(हरिमा) भंवरनाथ S/o भुरनाथ जी	9314865324	Bhanwar
29	पुजा कवर हरिमा		पुजा कवर
30	लीला हरिमा		लीला

<u>उपस्थिति पत्रक</u>

Public hearing for Environmental Clearance for "Proposed 3D2 Limestone Block (Auctioned Block) (Area: 434.08502 Ha) with proposed Limestone Production Capactiy 3.0 Million TPA, OB/waste 1.15 Million TPA, Top Soil 0.34 Million TPA, (Total Excavation 4.49 Million TPA) along with Installation of Crusher (2000 TPH) with Wobbler at Villages: Harima & Sarasani, Tehsil and Disctrict: Nagaur (Raj.) Applied by M/s Ambuja Cement Limited (Unit: Marwar Mundwa)."

Place:- Government Upper Primary School, Harima, Tehsil- Nagaur, District- Nagaur
Date:- 24.07.2024,
Time:- 01.00 PM

31	बरजा देवी (हरिमा)		बरजा देवी
32	Santosh (Harima)		सन्तोष
33	मूमकी हरीमा		(thumb impression) मूमकी
34	गुगनाई हरीमा		(thumb impression) गुगनाई
35	Jeetendra Singh (Harima)	6350001372	[signature]
36	NADEEM (Marwar Mundwa)	7891153468	Nadem
37	Prahlad Ram Prajapat (mundwa)	9636443141	[signature]
38	Mukesh Vaishnav (Mundwa)	8094732324	[signature]
39	Roopesh Prajapat (khajwana)	9636042598	RPA
40	Sohani (सरासनी)		(thumb impression) सोहनी
41	उगमी (सरासनी)		(thumb impression) उगमी
42	मांगीलाल (सरासनी)		(thumb impression) मांगीलाल
43	Sultan Singh (Harimna)	9057265635	Sultan
44	विक्रम सिंह हरीमा		Vikram Singh
45	Vinod Chaudhary {Marwar Mundwa	900167500	[signature]

उपस्थिति पत्रक

Public hearing for Environmental Clearance for "Proposed 3D2 Limestone Block (Auctioned Block) (Area: 434.08502 Ha) with proposed Limestone Production Capactiy 3.0 Million TPA, OB/waste 1.15 Million TPA, Top Soil 0.34 Million TPA, (Total Excavation 4.49 Million TPA) along with Installation of Crusher (2000 TPH) with Wobbler at Villages: Harima & Sarasani, Tehsil and Disctrict: Nagaur (Raj.) Applied by M/s Ambuja Cement Limited (Unit: Marwar Mundwa)."

Place:- Government Upper Primary School, Harima, Tehsil- Nagaur, District- Nagaur
Date:- 24.07.2024,
Time:- 01.00 PM

46	Gourav Khandelwal Ambuja foundation	98297707[illegible]	Gourav
47	Guddi - Harima		Guddi
48	मन्जुनाथ - गाँव हरिमा		मन्जुनाथ
49	रघुविर सिंह - हरिमा	9664143861	रघुनाथ
50	माणकनाथ - हरिमा	9784078948	माणक
51	भरत - हरिमा	7300291924	Bharat
52	राकेश - सरासनी	90244567[illegible]	राकेश
53	धापु w/o भूतानाथ - सरासनी		धापु
54	सज्जन सिंह - हरिमा	935[illegible]5748	Sajjan
55	Anil Kumar - Nagaur	9116667689	Anil
56	राजेश - हरिमा		राजेश
57	अर्जुन सेन मुण्डवा	8955043863	Arjun
[illegible]			
58	श्रवणकुमार - हरिमा		श्रवणकुमार
59	कमली w/o मांगीलाल - हरिमा		

उपस्थिति पत्रक

Public hearing for Environmental Clearance for "Proposed 3D2 Limestone Block (Auctioned Block) (Area: 434.08502 Ha) with proposed Limestone Production Capactiy 3.0 Million TPA, OB/waste 1.15 Million TPA, Top Soil 0.34 Million TPA, (Total Excavation 4.49 Million TPA) along with Installation of Crusher (2000 TPH) with Wobbler at Villages: Harima & Sarasani, Tehsil and Disctrict: Nagaur (Raj.) Applied by M/s Ambuja Cement Limited (Unit: Marwar Mundwa)."

Place:- Government Upper Primary School, Harima, Tehsil- Nagaur, District- Nagaur

Date:- 24.07.2024, Time:- 01.00 PM

क्र.स.	नाम व पता	मोबाइल नम्बर	हस्ताक्षर
~~1.~~ 60	घासीराम लटियाल हरीमा	8290552203	Ghasiram
~~2.~~ 61	राज लटियाल हरीमा	9982303498	Raj
~~3.~~ 62	सहीराम भाम्बु हरिमा	9414871712	सहीराम
~~4.~~ 63	प्रकाश लटियाल 6 लटियालों की ढाणी हरिमा	9351887044	[signature]
~~5.~~ 64	रामकुमार सारस्वत हरीमा	9982783842	[signature]
~~6.~~ 65	भिखमाराम भाम्बु हरीमा	9414237555	[signature]
~~7.~~ 66	चन्नाराम लटियाल (हरिमा)	8114452044	[signature]
~~8.~~ 67	हनुमान लटियाल हरीमा	9414747664	[signature]
~~9.~~ 68	अनिल चौधरी Capt Megharam	9261591938 9999489562	[signature]
~~10.~~ 69	सुरेन्द्र सिंह हरीमा	9680744426	
~~11.~~ 70	जयसिंह सरासनी	7424955710	[signature]
~~12.~~ 71	BhAGWAN SHARMA	7297978024	
~~13.~~ 72	यशवन्त चापावत	9351787778	
~~14.~~ 73	अशोक भाम्बु (सरासनी)	7240052176	[signature]
~~15.~~ 74	चौधरी गंगाराम भाम्बु	7742412[illegible]	[signature]
~~16.~~ 75	नथुनाथ s/o बस्तीनाथ	9602747312	नथुनाथ
17.			
18.			
19.			
20.			
21.			

उपस्थिति पत्रक

Public hearing for Environmental Clearance for "Proposed 3D2 Limestone Block (Auctioned Block) (Area: 434.08502 Ha) with proposed Limestone Production Capactiy 3.0 Million TPA, OB/waste 1.15 Million TPA, Top Soil 0.34 Million TPA, (Total Excavation 4.49 Million TPA) along with Installation of Crusher (2000 TPH) with Wobbler at Villages: Harima & Sarasani, Tehsil and Disctrict: Nagaur (Raj.) Applied by M/s Ambuja Cement Limited (Unit: Marwar Mundwa)."

Place:- Government Upper Primary School, Harima, Tehsil- Nagaur, District- Nagaur
Date:- 24.07.2024, Time:- 01.00 PM

~~85.~~ 76	शैलेन्द्र सिंह	8890568120	[signature]
~~86.~~ 77	[illegible]	9166367306	[signature]
~~87.~~ 78	आनन्द सिंह	9887673131	[signature]
88.			
89.			
90.			
91.			
92.			
93.			
94.			
95.			
96.			
97.			
98.			
99.			
100.			
101.			
102.			
103.			
104.			
105.			
106.			
107.			
108.			
109.			
110.			

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड

3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक

पर्यावरणीय लोकसुनवाई उपस्थिति पंजिका

प्रस्तावित 3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक (क्षेत्र: 434.08502 हैक्टयर) चूनापत्थर उत्पादन क्षमता 3.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओ.बी./अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (कुल उत्खनन 4.49 मिलियन टन प्रतिवर्ष), के साथ क्रशर की स्थापना (2000 टन प्रतिघंटा) वॉबलर के साथ स्थित गांव – हरिमा और सरासनी, तहसील और जिला – नागौर, राजस्थान

दिनांक: 24.07.2024 (बुधवार)
समय: दोपहर 01:00 बजे
जिला: नागौर

स्थान : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरीमा, तहसील: नागौर,

क्र.सं.	नाम एवं पता	फोन नम्बर	हस्ताक्षर
79	नारायणराम जी, हरिमा	9680407795	[redacted]
80	धर्मनाथ, हरिमा	-	
81	जितेन्द्र सिंह, हरिमा	6350001372	जितेन्द्र [redacted]
82	सुरेश, हरिमा	7413040708	सुरेश
83	विक्रम सिंह, हरिमा	6376102265	विक्रम सिंह
84	ओंकार सिंह, हरिमा	8955320153	ओंकार सिंह
85	रघुवीर सिंह, हरिमा	9680968181	[illegible]
86	किशन सैन, हरिमा		किशन
87	प्रेम सिंह, हरिमा		प्रेमसिंह
88	घनश्याम सिंह, हरिमा	6378920309	घनश्यामसिंह
89	जयसिंह, हरिमा	7878790857	जयसिंह
90	हरदिन नाथ, हरिमा	9783042958	हरदीननाथ
91	अनिल, पितासिया	7877175064	अनिल
92	पन्नालाल जी, भदाणा	6378057058	पन्नाराम

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड

3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक

पर्यावरणीय लोकसुनवाई उपस्थिति पंजिका

प्रस्तावित 3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक (क्षेत्र: 434.08502 हैक्टयर) चूनापत्थर उत्पादन क्षमता 3.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओ.बी. /अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (कुल उत्खनन 4.49 मिलियन टन प्रतिवर्ष), के साथ क्रशर की स्थापना (2000 टन प्रतिघंटा) वॉबलर के साथ स्थित गांव – हरिमा और सरासनी, तहसील और जिला – नागौर, राजस्थान

दिनांक: 24.07.2024 (बुधवार)
समयः दोपहर 01:00 बजे
स्थान : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरीमा, तहसीलः नागौर, जिलाः नागौर

क्र.सं.	नाम एवं पता गांव	फोन नम्बर	हस्ताक्षर
93	संदीप सिंह - हरिमा	8000[redacted]9242	Sundeep Singh
94	गेन सिंह " हरिमा	" [redacted]	[redacted]
95	नाथुनाथ " हरिमा	9602747332	नाथुनाथ
96	राम हरिमा	7852034232	राम
97	~~मुकुर~~ ~~सुनील~~ मुरलीधर " ~~सारसनी~~ सरासनी	9983256280	~~[signature]~~
98	रामेश्वर नाथ " हरिमा	9928112865	रामेश्वर
99	वासुदेव ~~[illegible]~~ ओडिल " हरिमा	8890557774	वासुदेव
100	हरिकिशन नाथ "	9521129754	हरिकिशननाथ
101	कुलदीप नाथ "	9680728979	कुलदीप
102	धर्मेन्द्र सिंह "	8690634838	धर्मेन्द्र
103	दिलीप सिंह " भदाणा	9680510329	[signature]
104	मोकराम फौजी भराळ	9545101520	[signature]
105	कंचन हरिमा	8769083283	कंचन
106	लालूराम हरिमा	8949466116	[signature]

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड

3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक

पर्यावरणीय लोकसुनवाई उपस्थिति पंजिका

प्रस्तावित 3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक (क्षेत्र 434.08502 हैक्टेयर), चूनापत्थर उत्पादन क्षमता 3.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओबी / अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष (कुल उत्खनन 4.49 मिलियन टन प्रतिवर्ष), के साथ क्रशर की स्थापना (2000 टन प्रतिघंटा) वॉबलर के साथ स्थित गांव – हरिमा और सरासनी, तहसील और जिला – नागौर, राजस्थान

दिनांकः 24.07.2024 (बुधवार)
समयः दोपहर 01:00 बजे
जिलाः नागौर

स्थान : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरीमा, तहसीलः नागौर,

क्र.सं.	नाम एवं पता	फोन नम्बर	हस्ताक्षर
107	अभिषेक गेहलोत	9929336209	अभिषेक
108	विनोद डिडेल	7728919104	विनोद
109	सुनील सेन	7742446507	[illegible]
110	मुलाराम	9950352037	मुलाराम
111	पन्ना उन्नाराम	9928893872	उन्नाराम
112	[illegible]	8003939871	[illegible]
113	जिमनाराम	9783172411	[illegible]
114	सचिननाथ	7877672570	सचिन
115	पुखराज नाथ	8094535606	पुखराज
116	Chain Ram	8296552203	[illegible]
117	Anil Choudhary	9261591938	A.C.

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड

3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक

पर्यावरणीय लोकसुनवाई उपस्थिति पंजिका

प्रस्तावित 3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक (क्षेत्र: 434.08502 हैक्टयर) चूनापत्थर उत्पादन क्षमता 3.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओ.बी./अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (कुल उत्खनन 4.49 मिलियन टन प्रतिवर्ष), के साथ क्रशर की स्थापना (2000 टन प्रतिघंटा) वॉबलर के साथ स्थित गांव – हरिमा और सरासनी, तहसील और जिला – नागौर, राजस्थान

दिनांक: 24.07.2024 (बुधवार)
समय: दोपहर 01:00 बजे
जिला: नागौर

स्थान : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरीमा, तहसील: नागौर,

क्र.सं.	नाम एवं पता	फोन नम्बर	हस्ताक्षर
118	भंवर लाल	8875360032	[signature]
119	धर्माराम	9610831711	धर्माराम
120	जुंमर नाथ	9784503029	जुमरनाथ
121	भरत सिंह	7700291924	[signature]
122	मुकेश नाथ	9672439028	मुकेश नाथ
123	हर्षित शर्मा	6375617818	Harshit
124	प्रदीप नाथ	9929571462	[signature]
125	प्रदिप सिंह	9024582140	Pradum
126	E.S.मान सिंह	8696744174	E.S.मानसिंह
127	पेमा राम मेघवाल	7849803170	पेमाराम
128	संजन सिंह	8769083804	संजन सिंह
129	गुमान दास	9602322908	[signature]
130	रमेश जी	7568688172	रमेश
131	गौतम	—	गौतम

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड
3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक
पर्यावरणीय लोकसुनवाई उपस्थिति पंजिका

प्रस्तावित 3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक (क्षेत्र: 434.08502 हैक्टयर) चूनापत्थर उत्पादन क्षमता 3.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओ.बी./अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (कुल उत्खनन 4.49 मिलियन टन प्रतिवर्ष), के साथ क्रशर की स्थापना (2000 टन प्रतिघंटा) वॉबलर के साथ स्थित गांव – हरिमा और सरासनी, तहसील और जिला – नागौर, राजस्थान

दिनांक: 24.07.2024 (बुधवार)
समय: दोपहर 01:00 बजे
जिला: नागौर

स्थान : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरीमा, तहसील: नागौर,

क्र.सं.	नाम एवं पता	फोन नम्बर	हस्ताक्षर
132	लोकेश	6350669325	[signature]
133	चेनाराम	9785001472	चेनाराम
134	विष्णु दान	8000107121	[signature]
135	L. Karan Rao	9087540672	L. Karan Rao
136	राकेश चौधरी	9610152537	Rakesh

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड

3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक

पर्यावरणीय लोकसुनवाई उपस्थिति पंजिका

प्रस्तावित 3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक (क्षेत्र: 434.08502 हैक्टेयर) चूनापत्थर उत्पादन क्षमता 3.3 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओ.बी / अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष (कुल उत्खनन 4.49 मिलियन टन प्रतिवर्ष), के साथ क्रशर की स्थापना (2000 टन प्रतिघंटा) वॉबलर के साथ स्थित गांव – हरिमा और सरासनी, तहसील और जिला – नागौर, राजस्थान

दिनांक: 24.07.2024 (बुधवार)
समय: दोपहर 01:00 बजे
जिला: नागौर

स्थान : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरीमा, तहसील: नागौर,

क्र.सं.	नाम एवं पता	फोन नम्बर	हस्ताक्षर
137	जयपाल हरीमा	78789972ll	[illegible]
138	अभीजीत हरीमा	9928111134	[redacted]
139	दिपचन्द सैनी S/o हरीरामजी चेनार	~~7829~~ 8290774431	दीपचन्द सैनी
140	रामपालजी भदाणा	6367570399	[illegible]
141	उदर सुखराम हरीमा	8094364955	Hazm
142	सुल्तान सिंह हरीमा	9799225761	

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड

3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक

पर्यावरणीय लोकसुनवाई उपस्थिति पंजिका

क्र.सं.	नाम एवं पता	फोन नम्बर	हस्ताक्षर
143	मिथलेश चौधरी	9660237757	[illegible]
144	घासी राम माली	—	[thumbprint]
145	भुपेन्द्र जी	9636438355	[illegible]
146	मुकेश जी	9782816606	[illegible]
147	भंवर सिंह	9521469337	भंवर सिंह
148	तेज नाथ जी	7742966301	तेजनाथ
149	सुरेश	9928130028	[illegible]
150	विकास	9521374849	[illegible]
151	घनश्याम जी	9828766354	[illegible]
152	भगवान शर्मा	7297978924	Bhagwan Sharma
153	सुरेन्द्र नाथ	7851961372	सुरेन्द्र
154	सही राम - हरिमा		

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड

3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक

पर्यावरणीय लोकसुनवाई उपस्थिति पंजिका

क्र.सं.	नाम एवं पता	फोन नम्बर	हस्ताक्षर
155	महेश नाथ हरिमा	7878397211	[illegible]
156	बजरंगसिंह "	"	
157	नरपतसिंह "		

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड

3डी2 चूनापत्थर ब्लॉक

पर्यावरणीय लोकसुनवाई उपस्थिति पंजिका

क्र.सं.	नाम एवं पता	फोन नम्बर	हस्ताक्षर
158	महेन्द्र सिंह राठौड़, सराधनी	9782262525	[signature]
159	शान्ति सिंह राठौड़, सराधनी	8239403392	[signature]
160	हनुमान, हरिमा	9950149082	[signature]
161	महेन्द्र सिंह, राठौड़, हरिमा	9982732738	[signature]
162	केदारनाथ, हरिमा	7073474316	[signature]
163	रविन्द्रनाथ, हरिमा	9829681065	[signature]
164	नानाराम जी, मदाणा	9001807656	[signature]
165	डॉ. नारायण सिंह जी राठौड़, हरिमा	9352024121	[signature]
166	नारायण, इनाणा	7790973070	[signature]

कार्यालय ग्राम पंचायत सरासनी

बीना कंवर
सरपंच
ग्राम पंचायत सरासनी

पंचायत समिति – नागौर

Mob. : 9828897555

क्रमांक

दिनांक 24/7/24

अम्बुजा सीमेंट द्वारा आयोजित ग्राम पंचायत सरासनी हरिमा में जन सुनवाई रखी है जिसमे ग्रामीणों की निम्नलिखित मांगे है

1. ग्राम पंचायत सरासनी - हरिमा में सड़क के दोनों ओर तथा सार्वजनिक स्थानों पर ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाए, साथ ही दोनों गांव में सार्वजनिक उद्यान तथा ओपन जिम बनवाया जाए
2. ग्राम पंचायत में राजकीय विद्यालय को मॉडर्न विद्यालय के तरहज पर बनाने में सहयोग करें साथ ही वर्तमान स्थिति को देखते हुए विद्यालय में बेहतरीन शिक्षा के लिए (पुस्तकालय व कंप्यूटर लैब) और विद्यालय को डिजिटिलिकरण करवाने में सहयोग करावे
3. ग्राम पंचायत में खेल मैदान का निर्माण करवाए और खेल के उपकरण दिलवाये
4. पंचायत के आसपास के गांव मे लिंक सभी सड़क बनवाई जाये और पंचायत में बस की सुविधा करवाए
5. बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए गांव में चिकित्सालय व चिकित्साकर्मी और चिकित्सा संबंधित उपकरण उपलब्ध करवाए
6. पंचायत में पेयजल व्यवस्था के लिए R.O प्लांट लगाए और सभी घरों में नियमित पूर्ति करवाने में सहयोग, करें भू-जल स्तर बढ़ाने की उचित व्यवस्था करें और पंचायत में तालाबों का सौंदर्यकरण करवाए
7. कंपनियों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार में लोकल युवाओं व ग्रामीणों को प्राथमिकता दी जाए साथ ही कंपनियों से जुड़े व्यापार में भी पंचायत के ग्रामीणों को प्राथमिकता दी जाए और बड़ा बजट वाले कार्य में थर्ड पार्टी में भी कार्य के लिए लोकल ग्रामीणों को प्राथमिकता दी जाए
8. पंचायत में गरीबों के लिए तथा एकल विधवाओ के लिए मकान तथा टांका निर्माण करवाए
9. पंचायत के दोनों गांव में S.T.P. प्लांट लगवा कर शुद्ध जल का उपयोग पेड़ पौधे हेतु उचित व्यवस्था के साथ दोनों गांव के सार्वजनिक स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगवाए व रास्ते और गलियों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगवाये
10. दोनों गांव में सीवरेज लाईन लगाकर C.C. रोड व R.W.H. की व्यवस्था करवाए
11. पंचायत के पशुओं के लिए गौशाला का निर्माण कर उसमें उचित व्यवस्था करवाये साथ ही गायों के चारे के लिए प्रतिवर्ष गौशाला में बजट प्रदान करें व पशुओं के लिए हेल्थ चेकअप कैंप लगाए और होने वाली बीमारियों का निशुल्क इलाज करवाये
12. शमशान भूमि में काठ गोदान, नहाने व बैठने हेतु उचित व्यवस्था करवाये
13. सर्व समाज हेतु सामुदायिक भवन का निर्माण करवाये
14. सरासनी गाव मे बिजली की नियमित व उचित व्यवस्था करवाये
15. किसानों को जमीन का मुआवजा राशि जो भी निर्धारित होती है उसके साथ जो भी पंचायत में पूर्व कंपनियां आ रखी है सभी कंपनियां सभी किसानों को मुआवजा राशि बराबर दिलाये और जो भी अंतराल रहता है उसका भी भुगतान करवाये और माइनिंग ब्लॉक की जमीनो में किसानों द्वारा बनाई मेड़ बंदी, पेड़ – पौधे, कच्चा पक्का निर्माण व अन्य का भी जमीन के साथ-साथ उचित मुआवजा दिलवाएं

CC-

1. माननीय मंत्री महोदय खनन विभाग केंद्र सरकार
2. माननीय मंत्री महोदय खनन विभाग राजस्थान सरकार
3. पर्यावरण मंत्रालय केंद्र सरकार
4. पर्यावरण मंत्रालय राजस्थान सरकार
5. संभागीय आयुक्त अजमेर
6. जिला कलेक्टर नागौर
7. S.D.M नागौर
8. तहसीलदार नागौर
9. M.E जयपुर
10. M.E. नागौर
11. UNIT HEAD अम्बुजा सीमेंट

(हस्ताक्षर)
सरपंच
ग्राम पंचायत सरासनी
पं.स. नागौर

Scanned with OKEN Scanner

सेवा में

Date 24/07/024 (2)

श्रीमान अतिरिक्त जिला कलेक्टर महोदयजी
(नागौर) राजस्थान

विषय सरकारी स्कुल 8 वी से 12 वी में क्रमोन्नित करवाने हेतु

महोदयजी

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि हमारे गांव मे पिछले 60-50 वर्षो से केवल 8 वी तक स्कुल है। इतने वर्षो के उपरांत हमारे गांव मैं कभी भी स्कुल का विकास नही हुआ आज तक हमारे गांव मे बच्चो को विद्या अध्ययन के लिये दुसरे गांवों में जाना पडता है। इससे आधे बच्चे तो स्कुल बिच में ही छोड़ देते है। खास कर लड़कियां तो जो बाहर विद्या अध्ययन नही कर पाती है। न ही बालिकाओ के लिये अलग से विद्यालय है।

अतः सभी ग्राम वासीयो द्वारा आपसे विशेष अनुरोध है कि हमारे गांव 12 वी तक स्कुल करवाने की कृपा करावे।

आपकी आज्ञामें
समस्त ग्रामवासी

Scanned with OKEN Scanner

Date 24/07/2024 (3)

माननीय जिला कलेक्टर महोदयजी
नागौर (राजस्थान)

अंबुजा जन सुनवाई हरिमा

विषय: हमारे गांव लाइब्रेरी की व्यवस्था करना)

महोदयजी

उपरोक्त विषयान्तर्गत नम्र निवेदन है कि हमारे गांव में एक लाइब्रेरी की व्यवस्था करवाना जिससे हमारे गांव के बच्चे आने वाले कम्पटिशन की तैयारी करने मे सुविधा हो जाये और गरीब परिवार के बच्चे विभिन्न होने वाली भर्तीयों में तैयारी कर सके।

हम कम्पनी व कंपनी की व्यवस्था का स्वागत करते है।

अतः आपसे निवेदन है कि हमारे गांव मे लाइब्रेरी की व्यवस्था करवाये

Scanned with OKEN Scanner

Date- ... ...

Date 24/07/024 (1)

सेवा में,

श्रीमान अतिरिक्त जिला कलेक्टर
नागौर (राज.)

विषय :- लोक सुनवाई के सम्बन्ध में,

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि अंबुजा सीमेन्ट कम्पनी द्वारा जो लाईम स्टोन का ब्लॉक ~~लिया~~ लिया जा रहा है इससे प्रभावित ग्राम वासियों के लिए निम्नलिखित कार्य करवाने की कृपा करें :-

(1) राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में 3-4 नए कमरें व एक आधुनिक लायब्रेरी की स्थापना की जाए।

(2) स्थानीय ग्राम वासियों को रोजगार दिया जाए।

(3) स्वास्थ्य के लिए उपस्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की जाए।

(4) पेयजल की उचित व्यवस्था करें।

(5) 24 घण्टे बिजली की व्यवस्था करें,

(6) मंदिरों का विकास करें।

(7) आंगनबाड़ी की सुविधाओं का विस्तार करें

(8) पेड़-पौधे लगवाएं तथा उनका रखरखाव करें।

अत: ग्राम विकास कार्यों को कम्पनी द्वारा पूरा करवायें तथा मैं इस जन सुनवाई का समर्थन करता हूँ।

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 24/07/24 (5)

सेवा में

श्रीमान अतिरिक्त जिला कलेक्टर महोदयजी
नागौर (राजस्थान)

विषय : गांव में व्यक्तिगत पानी की होद
की व्यवस्था करवाना

महोदयजी

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि हमारे गांव में कई परिवार ऐसे जिनके घरों में पानी भण्डारण के लिये होद नही है। इस कारण पानी की काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कम्पनी व कम्पनी की व्यवस्था का स्वागत करते है

अतः निवेदन है कि जो परिवार पानी के होद बनवाने में समर्थ नहीं है उनके व्यक्तिगत होद बनवायें

समस्त ग्राम वासी

मनिषा

लीला सरोज गुड्डी

Guddi गुंजन

[signature] पुजा सीमा

Scanned with OKEN Scanner

Date 24/07/024 (6)

मानीय जिला कलेक्टर महोदयजी
नागौर (राजस्थान)

(अंबुजा जन सुनवाई हरिमा)

विषय : उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण करवाने हेतु

महोदयजी

उपरोक्त विषयान्तर्गत नम्र निवेदन है कि हमारे गांव हरिमा में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन नही होने के कारण व Anm की पोस्ट नही है। इस कारण गांव में मेडिकल सम्बन्धी बिल्कुल सुविधा नही है ग्रामीणो बहुत समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है यहां पर 12 वर्षो से Anm है जिसके बैठने की व्यवस्था नही है हम कम्पनी व कम्पनी के विकास कार्यो का समर्थन करते है

अत: आपसे निवेदन है कि अंबुजा फाउंडेशन से उपस्वास्थ्य केन्द्र निर्माण करवाने की अनुमति प्रदान करावें। हम कम्पनी व कम्पनी के विकास कार्यों का समर्थन करते

समस्त ग्रामवासियों व ग्रामीण

प्रियंका
सरपंच
ग्राम पंचायत सारासनी
पं.सं. नागौर

[signatures]
सुमनकुमारी ममल कमला Pooja Chandel
गुड्डी शान्ता
पप्पा

Scanned with OKEN Scanner

Date 24/07/024

माननीय जिला कलेक्टर महोदयजी
नागौर (राजस्थान)

(~~उपस्वास्थ्य~~ (अंजुबा) सुनवाई हरिमा)

विषय: आंगनबाड़ी केन्द्र की मरम्मत व शौचालय निर्माण हेतु

महोदयजी

उपरोक्त विषयान्तर्गत नम्र निवेदन है कि हमारी गांव की आंगनबाड़ी केन्द्र का भवन बिल्कुल जर-जर अवस्था में है व ~~कोई~~ पानी के हौद का निर्माण व मरम्मत करवानी है। यहां पर शौचालय नही है तथा बाऊन्ड्री (चारो ओर दिवारें) का निर्माण करवायें। बेड, पंखा अलमारी की सुविधा की जाये। हम कंपनी व कम्पनी के विकास कार्यों का समर्थन करते है।

अतः आपसे निवेदन है कि हमारे आंगनबाड़ी का पुनःनिर्माण करवाये।

समस्त ग्रामीण

सरपंच
ग्राम पंचायत [illegible]
पं.स. नागौर

गुड्डी   बरजा देवी   सुमन
[redacted]
कमला   लक्ष्मी
सन्तोष   जमना   शान्ती
सुगन कुमारी   पुष्पा   [illegible]   केसरी   [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

(8)

भारत सरकार आजीविका की महीला

मूजू

श्रीमान हमारे ग्रामीण की महीलाओं के रोजगार के लिए जैसे ग्राम की महीला खीचिंया, पापड़ एवं आचार के लिए जो काम कर रही है। उनको कुछ सुविधाऐं प्रदान करें ताकि गाँव की महीला को रोजगार प्रदान कर सके एवं ~~अ~~ महीला प्रगति कर सके। एवं महीला को कार्य करने के लिए कमरा की आवश्यकता करें इस रोजगार में बहुत सारी महिलाऐं जुड़ी हुई है जो पढ़-लिख नही सकती उनके लिए रोजगार का यही साधन है। ~~एवं लड़कियों के लिए भी रोजगार~~

गाँव हरिमा
अध्यक्ष - सतोष
7665289220
सन्तोष

सन्तोष
सरोज

(1)

सेवा में श्रीमान

जिला कलेक्टर महोदय जी

विषय लटियालों की ढाणी समस्या
के संबंध मे आवेदन पत्र

मान्यवर

सविनय निवेदन इस प्रकार है ग्राम हरिमा लटियालो ढाणीयां में सरकारी विद्यालय में चार दिवारी विद्यालय में शौचालय और दो रूम पेड़ पौधे

ढाणी में पानी की घर-घर पानी की समस्या है
घर-घर नल लगवाएं

ढाणीयों की आबादी काफी गवाड में लाइट रोड़. लाइट

ढाणीयों में बारिश के पानी से कीचड़ होता है
सीसी रोड बनवाएं !

खेल के मैदान की कमी है या पार्क बनाएं

मान्यवर जी आपसे निवेदन है कि हमारी बताई समस्या को संज्ञान में लेते हुए आवश्यक कार्यवाही हेतु संस्तुति प्रदान करें | आपकी अति कृपा होगी |

दिनांक
24-7-24

धन्यवाद

समस्त लटियालो की ढाणीया के निवासी ग्रामवासी
हरिमा

हनुमान Harsukh

मदनराम

सेवा में,

श्रीमान जिला कलेक्टर , माननीय मंत्री महोदय खनन विभाग राजस्थान सरकार,

UNIT HEAD अम्बुजा सीमेंट

विषय :- अम्बुजा सीमेंट द्वारा आयोजित ग्राम पंचायत सरासनी हरिमा में जन सुनवाई रखी है जिसमे ग्रामीणों की निम्नलिखित मांगे है

1. ग्राम पंचायत सरासनी - हरिमा में सड़क के दोनों और तथा सार्वजनिक स्थानों पर ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाए, साथ ही दोनों गांव में सार्वजनिक उद्यान तथा ओपन जिम बनवाया जाए
2. ग्राम पंचायत में राजकीय विद्यालय को मॉडर्न विद्यालय के तरहज पर बनाने में सहयोग करें साथ ही वर्तमान स्थिति को देखते हुए विद्यालय में बेहतरीन शिक्षा के लिए (पुस्तकालय व कंप्यूटर लैब) और विद्यालय को डिजिटिलिकरण करवाने में सहयोग कराये
3. ग्राम पंचायत में खेल मैदान का निर्माण करवाए और खेल के उपकरण दिलवाये
4. पंचायत के आसपास के गांव से लिंक सभी सड़क बनवाई जाये और पंचायत में बस की सुविधा करवाए
5. बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए गांव में चिकित्सालय व चिकित्साकर्मी और चिकित्सा संबंधित उपकरण उपलब्ध करवाए
6. पंचायत में पेयजल व्यवस्था के लिए R.O प्लांट लगाए और सभी घरों में नियमित पूर्ति करवाने में सहयोग, करें भू-जल स्तर बढ़ाने की उचित व्यवस्था करें और पंचायत में तालावों का सौंदर्यकरण करवाए
7. कंपनियों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार में लोकल युवाओं व ग्रामीणों को प्राथमिकता दी जाए साथ ही कंपनियों से जुड़े व्यापार में भी पंचायत के ग्रामीणों को प्राथमिकता दी जाए और बड़ा बजट वाले कार्य में थर्ड पार्टी में भी कार्य के लिए लोकल ग्रामीणो को प्राथमिकता दी जाए
8. पंचायत में गरीबों के लिए तथा एकल विधवाओ के लिए मकान तथा टांका निर्माण करवाए
9. पंचायत के दोनों गांव में S.T.P. प्लांट लगवा कर शुद्ध जल का उपयोग पेड़ पौधे हेतु उचित व्यवस्था के साथ दोनों गांव के सार्वजनिक स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगवाए व रास्ते और गलियों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगवाये
10. दोनों गांव में सीवरेज लाईन लगाकर C.C. रोड व R.W.H. की व्यवस्था करवाए
11. पंचायत के पशुओं के लिए गौशाला का निर्माण कर उसमें उचित व्यवस्था करवाये साथ ही गायों के चारे के लिए प्रतिवर्ष गौशाला में बजट प्रदान करें व पशुओं के लिए हेल्थ चेकअप कैंप लगाए और होने वाली बीमारियों का निशुल्क इलाज करवाये
12. शमशान भूमि में काठ गोदाम, नहाने व बैठने हेतु उचित व्यवस्था करवाये
13. सर्व समाज हेतु सामुदायिक भवन का निर्माण करवाये
14. सरासनी गाव मे बिजली की नियमित व उचित व्यवस्था करवाये
15. किसानों को जमीन का मुआवजा राशि जो भी निर्धारित होती है उसके साथ जो भी पंचायत में पूर्व कंपनियां आ रही है सभी कंपनियां सभी किसानों को मुआवजा राशि बराबर दिलाये और जो भी अंतराल रहता है उसका भी भुगतान करवाये और माइनिंग ब्लॉक की जमीनो में किसानों द्वारा बनाई मेड बंदी, पेड़ – पौधे, कच्चा पक्का निर्माण व अन्य का भी जमीन के साथ-साथ उचित मुआवजा दिलवाएं

दिनांक :- 24/07/2024

धन्यवाद

समस्त ग्रामवासी

Scanned with OKEN Scanner

(11)

सेवा में,

श्रीमान अतिरिक्त जिलाधिश महोदय
नागौर
एंव
युनिट हेड अम्बुजा सिमेन्ट लिमिटड

विषय :— अम्बुजा सिमेन्ट लिमिटेड द्वारा दिनांक 24.07.2024 को की गई पर्यावरण सम्बधी जनसुनवाई के सम्बन्ध मे एंव ग्राम हरीमा विकास के सम्बन्ध कार्यवाही बाबत् निम्नलिखित निवेदन है।

1. हरीमा ग्राम विकास एव पर्यावरण के लिए कम्पनी ग्राम को गोद लेकर सम्पूर्ण (चौहु मुखी) लोगट्रम प्लानिग बनाकर करवाने का निवेदन।
2. पेड पोधो सम्बन्ध मे :—ग्राम अगौर भुमि शमसान भुमि स्कूल मैदान ग्राम के 6 कटाणी रास्तो के दोनो तरफ ग्राम सीमा तक पौधा लगाने सम्बन्ध मे निवेदन है।
   एंव
   ग्रान दादोसा मन्दिर परिसर एंव ग्राम के मध्य सार्वजनिक चौक को उध्यान की तरह की व्यवस्था सम्बन्ध मे निवेदन है।
3. लाईट व्यवस्था सम्बन्ध :— ग्राम के आबादी क्षेत्र के सभी रास्तो पर 20—25 दूरी से सोलर सिस्टम की लाईट व्यवस्थाएंव कटानी रास्तो / स्कुल / तालाब / स्टेडियम / स्टेण्ड गऊशाला आदी मे लाईट की व्यवस्था सम्बन्ध मे निवेदन है ग्राम चौक गोचर भूमि मे बच्चो के लिए बनने वाले ट्रेक पर बडी एंव अच्छी लाईट की व्यवस्था सम्बन्ध मे निवेदन
4. शमसान भूमि 36—40 बीघा है सभी जातियों के अलग अलग जगह तय की गई है कहा पर टीन सेट एंव बैढने की व्यवस्था सम्बन्ध मे निवेदन
5. स्कुल भवन सम्बन्ध मे स्कुल मे वर्तमान मे 4—5 कमरो की कमी है यदी कमरे बन जाते है तो स्कुल सैकण्डरी हो सकती है बच्चो के खेलकुद की सामग्री लड़का एंव लड़कियों वास्ते आधुनिक टोयलेट, आधुनिक सुविधायुक्त लाईबेररी स्कुल मे दोनो मे छोटे एंव बड़े बच्चो के लिए खेलने एंव जीम की व्यवस्था सम्बन्ध मे निवेदन ।
6. पानी की व्यवस्था ग्राम मे नहर का पानी 7—8 दिन से आता है लेकिन लाईनो एंव वाला की उचित व्यवस्था नही होने के कारण पानी सब जगह नही पहुच रहा है मुख्य पानी की लाईन मे दो वाल्व एंव बुस्टर लगवाने बाबत निवेदन
7. ग्राम मे अशुद्व पानी निकासी भी व्यवस्था :— ग्राम मे सीवरेज लाईन की व्यवस्था से निकासी कर पानी को एक जगह स्टोरेज करके शुद्व किया जा सकता है उसी पानी

Scanned with OKEN Scanner

को ट्रेंच सिस्टम से गोचर भूमि जो कि काफी बड़े है नहीं [illegible] जा सकता है तथा ग्राम [illegible] व्यवस्था के बाद CC Road [illegible]

8. ग्राम वासी की [illegible] काफी है अन्डर ग्राउंड वाटर लेवल [illegible] है ग्राम [illegible] व्यवस्था [illegible] पूर्ति करने का निवेदन है यह कार्य ग्राम [illegible] कम्पनी [illegible] मजदूरी देनी है ग्राम वासी एक माह में [illegible] करने का [illegible]

9 मेडिकल व्यवस्था :- ग्राम वासी मेडिकल स्टोर्स के लिए जगह देने को तैयार है कम्पनी भवन बनाकर मेडिकल सुविधा की व्यवस्था करने सम्बंधी कार्य के लिए ग्राम कम्पनी से व्यवस्था सम्बंधी निवेदन एवम माह में कम से कम एक बार मेडिकल टीम [illegible] जांच करने सम्बंधी व्यवस्था बाबत निवेदन ।

10 ग्राम गौशाला में टीन सेट /चारा रखने वास्ते भवन /पानी की व्यवस्था /चारा की कमी की व्यवस्था सबन्ध में निवेदन है।

~~11 [illegible] के लिए सामुदायिक भवन आधुनिक सुविधा युक्त बनाने की व्यवस्था~~

12 ग्राम अगोर भूमि में बहुत बडा ओपन होद है उचित व्यवस्था ग्राम [illegible] करने की व्यवस्था सभी मिन्दरो के विकास की व्यवस्था ग्राम सार्वजनिक स्थानो पर कुर्सियो की व्यवस्था ।

13 आंगनवाडी केन्द्र मे भवन आवश्यक सामग्री की कमी है सहयोग करने का निवेदन।

14 उपरोक्त सभी कार्य जो ग्राम हरीमा मे होगे वो ही कार्य किरसा की ढाणियो मे भी होने चाहिये हरीमा एव किरसा ढाणियो एक गाम से दो ग्राम बने है इसलिए विकास बराबर करने का निवेदन तथा ग्राम के आस पास की ढाणियो मे भी मुल भूत आवश्यकता की पूर्ति करने सम्बन्ध मे निवेदन ।

15 आज की इस जन सुनवाई मे उपरोक्त विकास कार्य कम्पनी करवाने के लिए तैयार है और कम्पनी किसानो के ब्लॉक सम्बन्धी शर्तो को मानने को तैयार है तो ग्राम वासी कम्पनी को समर्थन एवं सहयोग देने के लिए तैयार रहेंगे

16 [illegible] समाज [illegible] भूमि का [illegible]

भवदीय

समस्त ग्राम वासी हरीमा

प्रवीण शर्मा

Manilal

मंगू
चन्द्रकान्ता
मूलराज
बाबूदेवी
पूजा - स्वामी
पेमाराम
दिनेशराम
ओमाराम
संतोष
प्रेमाराम
विकास मेघ
विकास
प्रेमाराम बाना
मनुराम रेगर
Sunil
सुरेन्द्र
अनिल
किसन राम
24/07/24
राधेश
Manveer Singh
24/07/2024
गुड्डी
Guddi
पूजा कवर
मोहनलाल सोनी
दिलीप सिंह
पूनाराम मेघवाल
हीराराम

(12)

सेवा में

श्रीमान अतिरिक्त जिलाधिश महोदय
नागौर
एंव
युनेट इड अम्बुजा सिमेन्ट लिमिटड

विषय :– अम्बुजा सिमेन्ट लिमिटेड द्वारा दिनांक 24.07.2024 को की गई जन सुनवाई में ब्लॉक भूमि भूमि लेने का समय / ग्राम वासियो को शेयर एंव अन्य माध्यम से पोर्टनर / मुखिओ की योग्यता अनुसासर रोजगार ब्लॉक किसान से बीना विचोलियो कम्पनी एक साथ लेने की व्यवस्था बावत्।

महोदय जी

नवेदन है कि हरीमा ग्राम वासी अम्बुजा सिमन्ट कम्पनी एंव प्रशासनिक अधिकारीयों का हरीमा ग्राम में दिल से स्वागत करते है देश विकास के लिए भारी मन से ही सही अपनी मातृ भूमि को कुछ शर्तो के साथ देने को तैयार है।

1 कृषि भूमि की रेट समय किसानो की राय से होना चाईज जो पहले हमारे कम्पनीया आई है रेटे उचित नही होन के कारण कोई भी किसाना वापस भूमि नही खरीद सका है कम्पनीयां के कारण ग्राम की आम कृषि भूमि की रेट 8–10 लाख हो गई तथा हाइव की भूमि की रेट 25–40 लाख हो गई है अतः आपसे निवेदन है कि रेट तय करने मे खुला मन रखे ताकि किसान उचित रेट मे सम्पूर्ण ब्लांक की भूमी एक साथ दे सके जिससे किसान एव कम्पनी मे आपसी सहयोग बना रहे वर्तमान समय मे जो भी नई आई है वो किसान एव आम जनता की टकराव मे रही है हम लोग ऐसा नही चाहते रटे मे पेड पोधा पक्का निमार्ण गेड़ वन्दी आदी का अलग से रेट तय करने बावत।

2 जिसकी भूमि कम्पनी मे जा रही है उस परिवार के मुखिया को कम्पनी शेयर या अन्य माध्यम से कम्पनी का पाटर्नर बनाने सम्बन्धी विचार का निवदेन एव कम्पनी उसी परीवार के सदस्य को योग्यता अनुसार कम्पनी मे कार्य देने का निवेदन।

3. कम्पनी प्रतिनिधी किसानो से एक साथ बैठ कर एक साथ ब्लॉक लेने की व्यवस्था करे बिचोलिया ग्राम वासियों को मन्जुर नही है। एव ग्राम का विकास समिति की सलाह एव सहयोग से करने एव ग्राम वासियो को ही देने की प्रार्थना का निवेदन।

4 ग्राम से टेक्स के रूप मे रॉयलटी का पेमेन्ट जो कि विकास कार्य मे लगता है वह पेमेन्ट ग्राम हरीमा मे लगवान बावत।

भवदीय

[illegible]

पुखराज — चन्द्रकान्ता शर्मा

[illegible] करजा देवी

[illegible] पुजा स्वामी

बाबाराम

आत्माराम

[illegible] विकास नाथ [illegible]

दिनेश नाथ

पुसाराम [illegible]

सुरेन्द्र

[illegible]

अभिषेक संतोष

[illegible] मोना राकेश

[illegible]

[illegible] सिंह लीला

[illegible]

[illegible]

[illegible] Sunil latiyal

[illegible]

दिलीप सिंह

[illegible]

[illegible] पुजा कंवर

पुनाराम मेघवाल

हीराराम

Manjit

सुरेन्द्र नाथ

संजीव

भंवरनाथ S/o [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

ने चैंबरों की ऊंचाई का माप किया तो मिली गड़बड़ी...

ली में सड़क के लेवल से र बनाए खतरे के चैंबर

चैंबर 2-3 इंच ऊपर-नीचे बनाए, खड्डे भी छोड़े

में स्वच्छता अभियान जारी है।

सिंह

का

गे

कर दी

न

सिंह
प कुमार
हान की
ो फक्र है।
चौहान,
त रहे दीप
निंबड़ व
माज सेवी
बताया कि
र भी
ुण्यतिथि
ि पर
क व पुष्प

क्षेत्रीय कार्यालय
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
प्रथम चरण, सहकारी भूमि विकास बैंक, कॉलेज रोड, पुलिस लाइन के सामने, नागौर- 341001 (राज.), ई-मेल-rorpcb.nagaur@gmail.com

LiFE

क्रमांक- राप्रनिम/आरओ-नागौर/पी.यू.बी.-15/1646-50 दिनांक: 14/6/24

पर्यावरणीय स्वीकृति प्रस्तावित 3डी 2 चूना पत्थर ब्लॉक परियोजना हेतु लोक सुनवाई के लिए आम सूचना

1. सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि "प्रस्तावित 3डी2 चूना पत्थर ब्लॉक (निलामी ब्लॉक) परियोजना आवेदक मैसर्स अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड, लाईज क्षेत्र- 434.08502 हेक्टेयर, अनुमानित चूना पत्थर उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओबी / अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, शीर्ष मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष कुल उत्खनन 4.49 मिलियन टन प्रतिवर्ष, क्रशर की स्थापना के साथ (2000 टीपीएच) बॉबलर के साथ, गांव-हरिमा और सरासनी, तहसील-नागौर, जिला-नागौर) से संबंधित प्रार्थना पत्र मय दस्तावेज पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक प्रस्तावित 3डी 2 चूना पत्थर ब्लॉक परियोजना लोक सुनवाई हेतु प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहां तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखित) को प्रस्तुत किया गया है।
2. और चूंकि मैसर्स अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक परियोजना की लोक सुनवाई हेतु मण्डल को आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त परियोजना हेतु वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एस. ओ. 1533 दिनांक 14.09.2006 और एस.ओ. 141 ई दिनांक 15.01.2016 के प्रावधानों के अनुसरण में जन सुनवाई हेतु इस आशय की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना अनिवार्य है।
3. उक्त समूह खनन परियोजना से सम्बन्धित समूह EIA/EMP Report एवं संक्षिप्त कार्यपालक सार अभिलेख निम्न कार्यालयों में अवलोकनार्थ उपलब्ध है-

1. जिला कलक्टर, नागौर। 2. CEO जिला परिषद् नागौर। 3. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, मुख्यालय, 4-संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर। 4. पर्यावरण विभाग, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर। 5. क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, जयपुर। 6. उपखण्ड अधिकारी, नागौर। 7. तहसीलदार, नागौर। 8. क्षेत्रीय प्रबन्धक, रिको, नागौर। 9. जिला उद्योग केन्द्र, नागौर। 10. ग्राम पंचायत, हरिमा। 11. राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरिमा, तहसील नागौर, जिला-नागौर। 12. बी.डी.ओ. नागौर।

अतः सर्व साधारण को कार्यालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, नागौर के पत्र क्रमांक न्याय / प्रदूषण/ज.सु. 2024/3841 दिनांक 13.06.2024 के क्रम में इस आम सूचना के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित जन सुनवाई हेतु दिनांक 24.07.2024 को दोपहर 01:00 बजे, स्थान- राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरिमा, तहसील- नागौर, जिला-नागौर में उपस्थित होकर अपने लिखित/मौखिक आक्षेप/सुझाव प्रस्तुत कर सकते है।

इस संबंध में लिखित आक्षेप / सुझाव इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अन्दर [illegible]

eated candidates demand ck of EVM's burnt memory

File pic

TRUST ISSUES

ryana; Ahmednagar in Maharashtra; Vellore and Virudhunagar in Tamil Nadu; and Zahirabad in Telangana. The other three requests seek checking of EVM chips across 26 select polling stations of Gajapathinagaram AC and Ongole AC in Andhra Pradesh and Jharsuguda AC in Odisha. The PCs with the narrow margin of 1,884 votes seems to have prompted defeated Congress candidate Biresh Thakur to seek EVM chip verification, as in Jharsuguda AC where BJD candidate Dipali Das lost to BJP rival by 1,333 votes.

As per protocol issued by EC on June 1, chief electoral officers concerned have con-

WB cops 'free' robber, detain their Agra counterparts

Agra: A UP police team that travelled from Agra to West Bengal to arrest a suspect allegedly involved in Rs 2 crore gold theft, ended up getting detained by their Asansol counterparts instead. The WB cops even freed the accused and only after checking Ids and papers, they allowed Agra cops who were in plain clothes, to leave the state, but without suspect

d) Extensive practical and administrative experience in the field of medical relief, medical research, medical education or public health organization and adequate experience of running an important scientific educational institution either as its Head or Head of a Department.

2. **PAY LEVEL & ALLOWANCES:**

a) Level-17 as per 7th CPC [₹2,25,000 (fixed) plus non-practicing allowance of 20% of basic pay. Pay plus NPA does not exceed ₹2,37,500].

b) Residential accommodation will be provided in the Institute's campus on payment of license fee at standard rate under F.R. 45 or 10% of pay, whichever is less.

c) Other allowances as admissible.

3. **UPPER AGE LIMIT:** Not exceeding sixty years. Relaxable for government servants or retired government servants or serving or retired persons from autonomous institutions or statutory institutions of state or central government or exceptionally qualified candidates.

4. **TENURE:** The appointment of Director shall be a tenure appointment for a period of five years from the date on which the official enters upon the office (or) till the official attains the age of sixty-five years, whichever is earlier.

5. **PROBATION:** One year

6. **MAILING ADDRESS:** Eligible candidates may apply in the prescribed proforma along with self-attested photocopies of all relevant certificates and documents to the address below through Registered/Speed Post, in an envelope super-scribed as

"Application for the post of Director, JIPMER"
Deputy Director (Admn.)
First Floor, Administrative Block, JIPMER
Dhanvantari Nagar, Puducherry 605 006

7. **OTHER INFORMATIONS:**

a) Government servants in service may be appointed on deputation/ foreign service basis up to a period of five years.

b) Retired government servants can be considered.

c) Employees of the Institute including Director are not government servants.

d) Other terms and conditions will be governed by the relevant rules and orders that are in force and amended from time to time.

General conditions

1. The last date of receipt of application in the prescribed proforma along with copies of self-attested certificates and documents is **on or before August 12, 2024 by 4:30 PM.**
2. Applicant must submit self-attested copies of certificates with regard to **proof of age, educational qualifications, experience etc.**
3. Applicant must **forward the application** in the prescribed proforma along with the following documents **through proper channel** (wherever applicable):

a) A certificate to the effect that the present employer/parent organization has **"No Objection"** to his/her applying for the post of Director, JIPMER so that, in case of selection, he/she will be relieved by the present employer/parent organization to join the post of Director, JIPMER.

b) **APARs** of the applicant for the **last five years.** If any of the APARs is not available, then the APAR of the preceding year(s) must be submitted so that five APARs of the applicant are available.

c) **A certificate of Vigilance Clearance** in respect of applicant duly signed by a competent authority.

4. Age, qualification and experience will be computed as on the closing date for applications.
5. Late and incomplete application will not be considered.
6. Canvassing of any kind will be a disqualification.
7. The prescribed proforma to apply for the post of Director, JIPMER is available on the Institute's website https://jipmer.edu.in/ announcement/jobs

Note:

1. Applicant who had applied previously in response to the advertisement issued in June 2023, in case wishes to apply again, he/she must apply afresh in the prescribed proforma with all relevant documents/certificates.
2. In case of any discrepancy between the English and the Hindi versions of advertisement or the application form, English version shall prevail.

Wing, New Delhi is required to appear before this court to answer the said complaint on or before dated **29.07.2024 at 10:00 AM.**

By Order
Ms. Nabeela Wali
Ld. Chief Metropolitan Magistrate
New Delhi Distt,
Patiala House Courts, Delhi

DP/7710/EOW/2024
(Court Matter)

क्षेत्रीय कार्यालय
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल

LiFE

प्रथम चरण, सहकारी भूमि विकास बैंक, कॉलेज रोड़, पुलिस लाइन के सामने, नागौर- 341001 (राज.), ई-मेल-rorpcb.nagaur@gmail.com

क्रमांक- राप्रनिम/आरओ-नागौर/पी.यू.बी.-15/1646-50 दिनांक: 14/6/24

पर्यावरणीय स्वीकृति प्रस्तावित 3डी 2 चूना पत्थर ब्लॉक परियोजना हेतु लोक सुनवाई के लिए आम सूचना

1. सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि "प्रस्तावित 3डी2 चूना पत्थर ब्लॉक (निलामी ब्लॉक) परियोजना आवेदक मैसर्स अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड, लाईम क्षेत्र- 434.08502 हैक्टेयर, अनुमानित चूना पत्थर उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओबी / अपशिष्ट के साथ 1.15 मिलियन टन प्रतिवर्ष, शीर्ष मृदा 0.34 मिलियन टन प्रतिवर्ष कुल उत्खनन 4.49 मिलियन टन प्रतिवर्ष, क्रशर की स्थापना के साथ (2000 टीपीएच) बॉबलर के साथ, गांव-हरिमा और सरासनी, तहसील-नागौर, जिला-नागौर) से संबंधित प्रार्थना पत्र मय दस्तावेज पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक प्रस्तावित 3डी 2 चूना पत्थर ब्लॉक परियोजना लोक सुनवाई हेतु प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहां तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखित) को प्रस्तुत किया गया है।
2. और चूंकि मैसर्स अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक परियोजना की लोक सुनवाई हेतु मण्डल को आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त परियोजना हेतु वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एस. ओ. 1533 दिनांक 14.09.2006 और एस.ओ. 141 ई दिनांक 15.01.2016 के प्रावधानों के अनुसरण में जन सुनवाई हेतु इस आषय की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना अनिवार्य है।
3. उक्त समूह खनन परियोजना से सम्बन्धित समूह EIA/EMP Report एवं संक्षिप्त कार्यपालक सार अभिलेख निम्न कार्यालयों में अवलोकनार्थ उपलब्ध है:-

1. जिला कलक्टर, नागौर। 2. CEO जिला परिषद् नागौर। 3. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, मुख्यालय, 4-संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर। 4. पर्यावरण विभाग, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर। 5. क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, जयपुर। 6. उपखण्ड अधिकारी, नागौर। 7. तहसीलदार, नागौर। 8. क्षेत्रीय प्रबन्धक, रिको, नागौर। 9. जिला उद्योग केन्द्र, नागौर। 10. ग्राम पंचायत, हरिमा। 11. राजकिय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरिमा, तहसील नागौर, जिला-नागौर। 12. बी.डी.ओ. नागौर।

अतः सर्व साधारण को कार्यालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, नागौर के पत्र क्रमांक न्याय / प्रदूषण/ज.सु. 2024/3841 दिनांक 13.06.2024 के क्रम में इस आम सूचना के माध्यम से एतद्‌द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित जन सुनवाई हेतु दिनांक 24.07.2024 को दोपहर 01:00 बजे, स्थान- राजकिय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हरिमा, तहसील- नागौर, जिला-नागौर में उपस्थित होकर अपने लिखित/मौखिक आक्षेप/सुझाव प्रस्तुत कर सकते है।

इस संबंध में लिखित आक्षेप / सुझाव इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, नागौर, जिला-नागौर को भी दिये जा सकते है।